शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 330 | गुवाहाटी | रविवार, 30 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीजेआई के सामने ममता ने अदालतों को दी नसीहत पेज 2 | गौहाटी विवि मार्कशीट घोटाले में नौ लोग गिरफ्तार पेज 3 | प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को बढ़ावा देने के लिए अयोध्या, वाराणसी एवं ... पेज 5 | ओलंपिक से पहले भारत को बड़ा झटका, दावेदार डीपी मनु डोपिंग मामले में निलंबित पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विपत्ति हीरे की धुल है, जिससे परामात्मा अपने रत्नों को चमकाता है।

– लेटन

न्यूज गैलरी

सारे देश में 48 घंटे में मानसून के पहुंचने का पूर्वानुमान

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 48 घंटे में सारे देश में मानसून के पहुंचने का पूर्वानुमान जारी किया है। साथ ही चार-पांच दिन तक उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भारी वर्षा होने के संकेत दिए हैं। पूर्वानुमान में कहा गया है कि पूर्वोत्तर भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होगी। विभागीय -शेष पृष्ठ दो पर

केरल में गैस रिसाव, आठ छात्र अस्पताल में भर्ती

कन्नूर (केरल)। केरल में टैंकर से गैस रिसाव की वजह से शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, कन्नूर जिले के रामपुरम में एक टैंकर लॉरी से गैस रिसाव हो गया, जिसके कारण एक नर्सिंग कॉलेज के आठ छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गैस के कारण छात्रों को बेचैनी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। आनन-फानन में छात्रों को परियारम मेडिकल कॉलेज -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम किसान सम्मान निधि

राज्य के और अधिक किसानों को किया जाएगा शामिल : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज पिछले 18 जून को पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिससे देश भर में कुल 9.26 करोड़ किसानों को लाभ हुआ, मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया कि एचसीएम डॉ @ हिमंत विश्व 18 जून को पीएम किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी करने के लिए माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आआर व्यक्त करते हैं, जिससे देश भर में कुल 9.26 करोड़ किसानों को लाभ हुआ। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि अकेले असम में इस योजना के 17.5 लाख लाभार्थियों को 350 करोड़ रुपए वितरित किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में और किसानों को योजना के लाभार्थियों के रूप में शामिल किया जाएगा। 18 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी की। 9.26 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ मिला। तीसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद, पीएम मोदी ने पीएम किसान निधि की 17वीं किस्त जारी करने को अधिकृत किया, जिसका उद्देश्य 9.3 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाना और लगभग 20,000 करोड़ रुपए वितरित करना है। उच्च आय की स्थिति के कुछ बहिष्करण मानदंडों के अधीन सभी भूमि-धारक किसानों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए 2019 में पीएम-किसान योजना शुरू की गई थी। हर चार महीने में तीन बराबर किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपए का वित्तीय लाभ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) मोड के माध्यम से देश भर के किसान परिवारों के बैंक खातों में स्थानांतरित किया जाता है। अब तक देश भर में 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है और इस राशि के जारी होने के साथ ही योजना की शुरुआत से अब तक लाभार्थियों को हस्तांतरित की गई कुल राशि 3.24 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगी।

झारखंड और आदिवासियों का विकास भाजपा की प्राथमिकता : डॉ. शर्मा

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की बैठक में भाग लेने रांची पहुंचे। उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास और आदिवासी लोगों का कल्याण भाजपा की प्राथमिकता है। भाजपा के चुनाव सह प्रभारी शर्मा राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा करने के लिए पार्टी नेताओं से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्राथमिकता झारखंड का विकास और यहां के अनुसूचित जनजाति समुदाय का कल्याण है। पिछले पांच वर्षों से राज्य में कोई सरकार नहीं है। पिछले पांच वर्षों में राज्य में महिलाओं और आदिवासियों पर अत्याचार कई गुना बढ़ गए हैं। शर्मा ने कहा कि जब भाजपा का घोषणापत्र आएगा, तो पता चलेगा कि पार्टी ने अगले पांच साल में आदिवासी लोगों के लिए कितना काम करने की योजना बनाई है। पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन को जमानत मिलने -शेष पृष्ठ दो पर

असम विवि ने मणिपुर के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की घोषणा की

गुवाहाटी। असम के एक निजी विश्वविद्यालय ने शनिवार को हिंसा प्रभावित मणिपुर के पात्र छात्रों के लिए प्रवेश शुल्क माफ करने की घोषणा की। एक बयान में कहा गया कि गुवाहाटी स्थित रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने *होप फॉर मणिपुर स्कॉलरशिप* शुरू की है, जो पड़ोसी राज्य में जातीय संघर्ष से प्रभावित परिवारों के बच्चों पर केंद्रित है। इसमें कहा गया है कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य जारी हिंसा से प्रभावित छात्रों और परिवारों को सहायता प्रदान करना है, तथा यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा निर्बाध और सुलभ बनी रहे। यह पहल विश्वविद्यालय के -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में भूस्खलन की चपेट में आई स्कूल बस

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी क्षेत्र के जुलांग-इटानगर सड़क पर भूस्खलन में एक स्कूल बस एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। जिसमें चालक सहित दो शिक्षकों को मामूली रूप से चोट आई है। आज शाम लगभग 3.15 बजे न्यीशी एलीट सोसाइटी (एनईएस) कार्यालय के पास रिची जोलांग में श्री श्री रविशंकर स्कूल की बस भूस्खलन की चपेट में आ गई। बस में कुल सात लोग सवार थे। जिसमें एक छात्र, चार शिक्षक और दो दीदी (कार्यवाहक) सवार थे। बस सभी को लेकर को गनांग बाजार, इटानगर की ओर जा रही थी। आधिकारिक स्रोत की रिपोर्ट के अनुसार इस दुर्घटना में किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ है, हालांकि दो -शेष पृष्ठ दो पर

हर दिन लोग जेल जाते हैं, जमानत मिलती है, यह देखना भाजपा का काम नहीं : हिमंत

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को झारखंड पहुंचे। उन्होंने हेमंत सोरेन की जमानत पर कहा कि हर दिन कई लोग जेल जाते हैं और हर दिन कई लोगों को जमानत मिलती है। इसका अकाउंटिंग करना भाजपा का काम नहीं है। यहां तो भ्रष्टाचार चरम पर है। आपराधिक घटनाएं बढ़ीं हैं। पेपर लीक हो रहे हैं। हिमंत ने कहा कि झारखंड में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट देकर आखिर क्या मैसेज दिया। लोगों ने बताया कि वह यहां की सरकार से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि संथाल -शेष पृष्ठ दो पर

चीन सीमा पर श्योक नदी पार करते समय फंसा टैंक, सेना के पांच जवानों की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। चीन सीमा पर लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में सैन्य अभ्यास करके लौट रहे पांच जवानों की शुक्रवार रात करीब 1 बजे श्योक नदी पार करते समय मौत हो गई। लद्दाख के न्योमा-चुशूल इलाके में श्योक नदी का जलस्तर बढ़ने से टी-72 टैंक फंस गया और सेना के 5 जवान बह गए। शनिवार को सभी सैनिकों के शव बरामद कर लिए गए। इनमें एक जूनियर कमीशन्ड ऑफिसर (जेसीओ) भी हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की जान जाने पर शोक व्यक्त किया है। दरअसल, सेना के जवान सैन्य अभ्यास के बाद शुक्रवार देर रात करीब एक बजे टैंक टी-72 टैंक से लौट रहे थे। टैंक पर रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी सवार थे। यह मिलिट्री टैंक पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा में श्योक नदी पार कर रहा था, तभी पानी का लेवल अचानक बढ़ गया और सभी जवान टैंक सहित नदी में डूबने लगे। लेह की फायर एंड फ्यूरी 14 कॉर्प्स के मुताबिक यह हादसा एलएसी के चुशूल -शेष पृष्ठ दो पर

न्यायाधीश खुद को देवता न समझें : सीजेआई

कोलकाता (हि.स.)। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि देश की जनता न्यायालय को मंदिर समझती है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि इसमें बैठने वाले न्यायाधीश खुद को देवता समझने लगें। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को संवेदनशील और सहानुभूति रखने वाला बनना पड़ेगा। सीजेआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट के बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी के दो सौ साल पूरे होने के मौके पर एक विशेष परिचर्चा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उनके साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौजूद थीं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जनता कहती है कि न्यायालय न्याय का मंदिर है। ऐसे में न्यायाधीश अगर खुद को देवता समझते हैं तो यह बहुत बड़ी भूल होगी। मुझे लगता है कि न्यायाधीश जनता के सेवक हैं। वे मामलों -शेष पृष्ठ दो पर

हरियाणा विस चुनाव में किसी से गठबंधन नहीं करेगी भाजपा

चंडीगढ़ (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री एवं हरियाणा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने ऐलान किया है कि भाजपा विधानसभा चुनाव के दौरान किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी सभी 90 सीटों पर अपने उम्मीदवारों को उतारेगी। भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के पहले सत्र के बाद शनिवार को पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत में धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भाजपा की अंदरूनी बैठक में यह तय हो गया है कि हरियाणा में किसी भी पार्टी के साथ चुनाव से पहले गठबंधन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी नेता व कार्यकर्ता प्रदेश की 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह तय किया गया है कि पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, पार्टी के प्रभारी बिपल्व देव, सतीश पूनिया, सुरेंद्र नागर तथा वह स्वयं प्रदेश का दौरा करके कार्यकर्ताओं से -शेष पृष्ठ दो पर

एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से फायरिंग सेनाएं हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली। पाकिस्तान वैसे तो खुद अपने देश में दहशतगर्दी का सामना कर रहा है और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन चला रहा है। वहीं उसके हुक्मरान भारत से दोस्ती की बात करते नजर आ रहे हैं। लेकिन फिर भी सीमा पर उसकी करतूत थमने का नाम नहीं ले रही है। लाइन ऑफ कंट्रोल से अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर पाक ने सीजफायर का उल्लंघन -शेष पृष्ठ दो पर

मधुबनी में गिरा एक और पुल, 11 दिन में पांच पुलों ने ली जलसमाधि

पटना। बिहार में पुलों का गिरने का सिलसिला लगातार जारी है। किशनगंज के बाद अब मधुबनी में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन पुल गिर गया। पिछले 11 दिनों के अंदर बिहार में पुल गिरने की यह पांचवीं घटना है। हालांकि, इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मधुबनी में गिरे निर्माणाधीन की लंबाई 77 मीटर है और दो पिलर के बीच में बीम का हिस्सा गिर गया है। जानकारी के मुताबिक, प्रशासन ने इस लापरवाही को छुपाने के लिए टूटे हुए हिस्से को काले रंग के प्लास्टिक से ढक दिया। ताकि लोगों को पुल गिरने की जानकारी न हो सके। मधुबनी का यह पुल तकरीबन तीन करोड़ की लागत से बन रहा था। -शेष पृष्ठ दो पर

केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। केजरीवाल को मामले के सिलसिले में 26 जून को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया। अपनी गिरफ्तारी के समय, केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे। शनिवार को सुनवाई के दौरान केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ -शेष पृष्ठ दो पर

पहले दिल्ली अब गुजरात

राजकोट एयरपोर्ट टर्मिनल की छत ढही

राजकोट। गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर आज दोपहर बड़ा हादसा हो गया। यहां भारी बारिश के चलते राजकोट एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर पैसेंजर पिकअप और ड्रॉप एरिया में कैनोपी (छतरी) गिर गई। जुलाई 2023 में इसका लोकार्पण हुआ था। गनीमत रही की हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। वरना दिल्ली जैसा हादसा हो सकता था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, छत पर भरे पानी को बाहर निकालने के लिए रखरखाव कार्य के दौरान यह ढह गई। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। गौरतलब है, एक दिन पहले ही दिल्ली में भी ऐसा ही हादसा हुआ था। टर्मिनल-1 की छत गिरने से एक कैब ड्राइवर की जान चली गई थी। हादसे में छह लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा अचानक गिर गया था, जिसकी चपेट में आकर कई कारें दब गईं। हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय जब कारों पर लोहे के बीम गिरे तो अफरातफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाते हुए नजर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यू मार्केट बना जंग का अखाड़ा

रेहड़ी वालों और कारोबारियों में जमकर हुई झड़प

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के न्यू मार्केट में इलाके में व्यापारियों और फेरीवालों के बीच झड़प हुई है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही राज्य में सत्ताधारी दल की मुखिया और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में अतिक्रमण को लेकर रेहड़ी वालों को एक महीने का समय दिया था कि वो अपने सामान और कारोबार के साथ अतिक्रमण को खाली कर दें। मामले में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यू मार्केट इलाके में ये विवाद तब शुरू हुआ जब कुछ फेरीवालों ने हेरिटेज न्यू मार्केट परिसर और आसपास के खुले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीजेआई के सामने ममता ने अदालतों को दी नसीहत

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को न्यायपालिका पर अहम टिप्पणी की। उन्होंने किसी भी राजनीतिक पूर्वाग्रह से मुक्त न्यायपालिका की बात करते हुए कहा कि इसे बिल्कुल निष्पक्ष और ईमानदार होना चाहिए। न्यायपालिका लोकतंत्र, संविधान और लोगों के हितों की रक्षा के लिए भारत की नींव का बड़ा स्तंभ है। जिस समय ममता बनर्जी यह बात कह रही थी उस समय भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम भी मौजूद थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोलकाता में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी (पूर्वी क्षेत्र) द्वितीय क्षेत्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर सीएम बनर्जी ने कहा कि कृपया ध्यान रखें कि न्यायपालिका में कोई राजनीतिक पक्षपात न हो। अदालतें पूरी तरह से पक्षपात रहित, ईमानदार और पवित्र होनी चाहिए और लोगों को इसकी पूजा करनी चाहिए। न्यायपालिका एक मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर की तरह है और यह लोगों द्वारा और लोगों के लिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में न्यायिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। राजारहाट न्यू टाउन में उच्च न्यायालय के नए परिसर के लिए जमीन

उपलब्ध कराई है। राज्य में 88 फास्ट ट्रैक कोर्ट काम कर रहे हैं। पहले केंद्र सरकार ने इन अदालतों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान की थी, लेकिन पिछले सात-आठ सालों से यह प्रावधान वापस ले लिया गया है। 88 फास्ट ट्रैक अदालतों में से 55 महिलाओं के लिए हैं और छह पॉक्सो अदालत भी हैं। दूसरी ओर सीजेआई ने न्यायाधीशों को संविधान का स्वामी नहीं, सेवक बताया। सीजेआई ने न्यायपालिका को संविधान में निहित मूल्यों के विपरीत निर्णयों में हस्तक्षेप करने वाले न्यायाधीशों के व्यक्तिगत मूल्यों और विश्वास प्रणालियों के नुकसान के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हम संवैधानिक व्याख्या के विशेषज्ञ हो सकते हैं, लेकिन न्यायपूर्ण समाज की स्थापना अदालत के संवैधानिक नैतिकता के दृष्टिकोण से ही होती है।

अगप हिंदीभाषी परिषद की हिंदीभाषी सम्मान यात्रा

गुवाहाटी (विभास)। अगप हिंदीभाषी परिषद पुरे असम में हिंदीभाषी सम्मान यात्रा निकलेगी। असम गण परिषद हिंदीभाषी परिषद के गठन के बाद से ही असम के क्षेत्रीय दल असम गण परिषद (अगप) में हिंदीभाषियों को सभी जिलों में जोड़ना शुरू हो गया। अगप हिंदीभाषी परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष शंकर सिंह के नेतृत्व में परिषद को शक्तिशाली बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही कार्यालय खोले जा रहें है। जिससे हिंदीभाषियों के साथ मिलकर असम में रचे-बसे हिंदीभाषियों की राजनितिक समस्यायों के साथ सामाजिक समस्यायों को हल किया जा सके। अगप के प्रदेश अध्यक्ष तथा मंत्री अतुल बोरा और कार्यकारी अध्यक्ष तथा मंत्री केशव महंत ने हिंदीभाषियों के सुरक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया है। अगप हिंदीभाषी परिषद को शक्तिशाली बनाने के लिए परिषद के अध्यक्ष

शत्रुघ्न चौहान, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शंकर सिंह, प्रदेश साधारण सचिव, मनोज कुमार सिंह, साधारण सचिव दिलीप बसफोर, सहायक सचिव मंजीत सिंह के नेतृत्व में असम के सभी जिलों में अगप के समर्थन के प्रति ध्यान में रखते हुए सम्मान यात्रा निकली जाएगी। यह सम्मान यात्रा गुवाहाटी से शुभारम्भ करते हुए सिलचर, कोकराझाड़, तिनसुकिया के आलावा विभिन्न जिलों में पहुंचेगी। इस दौरान दशवीं और बारहवीं में अच्छे अंक से पास करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम भी रखा जाएगा। साथ ही आंचलिक कमिटि का गठन करने के आलावा हिंदीभाषी समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित भी किया जाएगा। अगप हिंदीभाषी परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष शंकर सिंह ने सभी हिंदीभाषियों से इस हिंदीभाषी सम्मान यात्रा मे बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने का आह्वान किया।

मणिपुर पुलिस ने 66 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में कानून की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 66 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 164 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 292 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 127 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर आईएमए ने पीएम को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में आईएमए ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी है। इसके साथ पत्र में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के मौके पर आईएमए ने देश में चिकित्सकों पर हमले की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस एक जुलाई को मनाया जाता है। आईएमए ने केंद्र सरकार से मांग की है कि केंद्र सरकार डॉक्टरों के साथ अस्पतालों में हो रही हिंसा को रोकने के लिए तुरंत कानून लाए। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी असोकन ने चिट्ठी में कहा है कि देश के डॉक्टर कठिन दौर से गुजर रहे हैं। अस्पतालों में चिकित्सकों के लिए भय और अविश्वास का माहौल है। अस्पतालों में चिकित्सकों के ऊपर हमले की वारदात लगातार दर्ज की जा रही है। इसके स्थायी समाधान के लिए कानून लाया जाना चाहिए। डॉक्टर दिवस के मौके पर चिकित्सक संघ चाहती है कि सरकार इसका समाधान निकाले और कानून लाए। सरकार ने अस्पतालों में डॉक्टरों पर हो रही हिंसा पर एक विधेयक लाने की शुरुआत की थी। उसे सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए भी रखा गया। लेकिन संसद में वो विधेयक अभी तक पेश नहीं किया गया है। उसे कानूनी रूप जल्द से जल्द दिया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि महान चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि का सम्मान करने के लिए हर साल एक जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन सभी डॉक्टरों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है, जिन्होंने नि:स्वार्थ भाव से हमारी जरूरत के समय में हमारी सहायता की है और अपने रोगियों के स्वास्थ्य के लिए अथक प्रयास किया है।

जोनाई में हेरोइन और गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

धेमाजी (हिंस)। जोनाई में हेरोइन और गांजा के साथ एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए धेमाजी जिले के जोनाई थाना की पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 ग्राम संदिग्ध हेरोइन और 1.185 किलोग्राम गांजा जब्त किया। गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ की जा रही है। इस सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

एक और आतंकवादी को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया

कोलकाता (हि.स.)। पूर्व बर्दवान के मंगलकोट के रहने वाले एक और आतंकवादी अनवर शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने चेन्नई से गिरफ्तार किया है। कुछ दिन पहले पश्चिम बर्दवान के कांकसा से एक कॉलेज छात्र को बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़े होने के आरोप में एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक, अनवर को चेन्नई के विरुगमबक्कम इलाके से गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को उसे चेन्नई की एक अदालत में पेश किया गया था। शनिवार को जब अनवर को ट्रांजिट रिमांड पर दुर्गापुर सब-डिविजनल कोर्ट में पेश किया गया तो न्यायाधीश ने उसे 14 दिन की एसटीएफ हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। इसके पहले मोहम्मद हबीबुल्लाह को आतंकवाद के संदेह में 22 जून को कांकसा से गिरफ्तार किया गया था। एसटीएफ सूत्रों ने दावा किया कि छात्र बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन अंसार अल इस्लाम के *शहादत* मॉड्यूल का सदस्य था। बाद में हबीबुल्लाह के एक साथी को हावड़ा स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
CARDIOLOGY/ CARDIAC ELECTROPHYSIOLOGIST
Apollo HOSPITALS
Dr. A.M. Karthigesan
Cardiac Electrophysiologist & Pacing Specialist
visiting GUWAHATI on 7th July'2024
Feeling ti red& weak, irregular heart beat (fast or slow heartbeat), shortness of breath, chest pain, High pressure, tightness of chest & discomfort, feeling dizzy or light headed or fainting, Pacemaker implantations & checkups, Electrophysiology study & RF ablation, ICD or CRT device implantation & checkups can register
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop,
Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Call: 03612223663/9678769107/8134095156

पृष्ठ एक का शेष

झारखंड और आदिवासियों ...

के बारे में पूछे जाने पर शर्मा कहा कि भाजपा इस बात का हिसाब नहीं रखती कि कौन जेल जा रहा है और कौन जमानत पर बाहर आ रहा है। आगामी चुनाव में सोरेन की मौजूदगी से भाजपा पर क्या असर पड़ेगा, इस बारे में पूछे गए सवाल पर शर्मा ने कहा कि जब वह जेल में थे तब भाजपा ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में राज्य में नौ सीट जीतीं। शर्मा ने कहा कि सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद भाजपा और अधिक सीट जीतेगी। उच्च न्यायालय द्वारा धनशोधन के एक मामले में जमानत दिए जाने के बाद सोरेन को शुक्रवार को रिहा कर दिया गया। न्यायालय ने कहा कि सोरेन प्रथम दृष्टया दोषी नहीं हैं और जमानत पर छूटने के बाद याचिकाकर्ता द्वारा कोई अपराध किए जाने की कोई संभावना नहीं है। झारखंड की 81 विधानसभा सीट में से 28 सीट अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए आरक्षित हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 26 आदिवासी सीटों पर जीत हासिल की थी। शर्मा और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए खाका तैयार करने को लेकर 23 जून को पार्टी नेताओं, सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें कीं। चौहान को झारखंड के लिए भाजपा का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।

असम विवि ने ...

व्यापक अभियान, *पूर्वोत्तर इंतजार नहीं कर सकता। पढ़ो! कुछ बनो* का हिस्सा है। मणिपुर के लिए इस अभियान का नाम बदलकर *मणिपुर कठिन समय में भी इंतजार नहीं कर सकता* कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ए.के. पंसारी ने कहा कि शिक्षा आशा की किरण है और उज्ज्वल भविष्य की राह दिखाती है। इस छात्रवृत्ति के माध्यम से हमारा उद्देश्य उन छात्रों को वित्तीय राहत और सहायक वातावरण प्रदान करना है, जिनका जीवन हिंसा के कारण बाधित हुआ है। इस पहल का समर्थन करते हुए मणिपुर की जलवायु कार्यकर्ता लिसिप्रिया कंगुजम ने कहा कि शिक्षा बदलाव का एक शक्तिशाली साधन है। छात्रवृत्ति मणिपुर के हिंसा प्रभावित परिवारों के छात्रों के लिए प्रवेश शुल्क में पूरी छूट प्रदान करती है। बयान में कहा गया है कि छूट पाने के लिए उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता के लिए सबूत देने होंगे।

अरुणाचल में भूस्खलन ...

शिक्षकों और ड्राइवर को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को ईलाज के बाद घर भेज दिया गया है। बस पहाड़ी मलवे के बीच में फंसी गई थी जिसको बाद में निकल लिया गया। रिची जोलांग के पास भारी भूस्खलन की घटना के बाद जोलांग से गणगा बाजार, इटानगर सड़क बंद हो गई है जिसको देखते हुए राजधानी जिला प्रशासन ने अगली सूचना तक गंगा-चिम्पू-जुलांग मार्ग से यातायात को डायवर्ट कर दिया है। गंगा-जुलांग से सड़क मरमत करने तक बंद कर दिया गया है।

हर दिन लोग जेल ...

में घुसपैठ और लव जिहाद को रुकवाना भाजपा की प्राथमिकता है। कोई गलत तरीके से घुसपैठ कर यहां की आदिवासी लड़कियों से शादी ना करे। इसे रोकना है। भाजपा के मेनिफेस्टो में इस मुद्दे को शामिल किया जायेगा। रांची पहुंचते ही हिमंत विश्व शर्मा ने दुमका लोकसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी रहीं सीता सोरेन के आवास पर उनसे मुलाकात की। हिमंत के साथ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश मौजूद थे। इसके बाद उन्होंने लोहरदगा लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार रहे समीर उरांव से भी मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि सीता सोरेन ने अपनी हार के लिए भाजपा के बड़े नेताओं और विधायक को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने भाजपा की पूर्व मंत्री लुईस मरांडी और सारठ विधायक रणधीर सिंह पर विश्वासघात करने का आरोप लगाया था। सीता सोरेन ने कहा था कि चुनाव में भाजपा के संगठन की जो मजबूती है, वह देखने को नहीं मिली।

चीन सीमा पर ...

से 148 किलोमीटर दूर मंदिर मोड़ के पास हुआ। अचानक जलस्तर बढ़ने से जेसीओ और चारों जवान लापता हो गए। शनिवार को जानकारी मिलने पर रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। नदी में तेज बहाव और जलस्तर के कारण जवानों को बचाया नहीं जा सका। पांचों जवानों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जिनकी पहचान रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी के रूप में हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में नदी पार करते समय हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की जान जाने से मैं बहुत दुखी हूं। हम देश के लिए अपने वीर जवानों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लद्दाख में टैंक के नदी पार करने के सैन्य अभ्यास के दौरान हुए हादसे में भारतीय सेना के पांच जवानों की शहादत का समाचार दुखद है। दुख की इस घड़ी में हम सभी शहीद जवानों के परिजनों के साथ खड़े हैं। आमतौर पर टी-72 टैंक पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। इस टैंक का वजन 45 टन के करीब है, जो 780 हॉर्सपावर जनरेट करता है। इसे न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और केमिकल हमलों से बचने के लिए बनाया गया है। टैंक पर 12.7 एमएम एंटी एयरक्राफ्ट मशीन गन लगी हुई है, जिससे एक बार में एक साथ 300 राउंड फायर होते हैं। इस टैंक का वजन 45 टन के करीब है, जो 780 हॉर्स पावर जनरेट करता है। इसमें फुल एक्सप्लोसिव रिऐक्टिव आर्मर भी होता है। हालांकि, हादसे के वक्त इस पर 5 जवान सवार थे। यह टैंक 5 मीटर (16.4 फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायमीटर वाले स्नोर्कल की मदद से नदी पार करता है। पानी के अंदर टैंक का इंजन बंद होने पर इसे 6 सेकेंड के भीतर चालू करना जरूरी होता है। ऐसा नहीं करने पर कम दबाव होने के कारण इंजन में पानी भर जाता है। इमरजेंसी के लिए इस पर सवार क्रू के सभी सदस्यों को रिब्रीदर दिया जाता है। यह पानी के नीचे एक प्रकार का स्व-निहित श्वास तंत्र है, जिनमें प्राथमिक और आपातकालीन गैस आपूर्ति दोनों के प्रावधान हैं।

हरियाणा विस चुनाव...

फीडबैक लेंगे। इस दौरान संभावित उम्मीदवारों के बारे में भी राय ली जाएगी तथा पार्टी के घोषणा पत्र पर भी राय एकत्र की जाएगी। हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं व नेताओं को एकजुटता से काम करने के निर्देश दिए हैं। भाजपा चुनाव प्रभारी ने कहा कि आज केंद्र हो या हरियाणा प्रदेश हो, विपक्षी दल कांग्रेस के पास कोई एजेंडा नहीं है। कांग्रेस ने केवल अपने स्वार्थों की राजनीति को ही आगे बढ़ाया है। हरियाणा में सुशासन के आधार पर तीसरी बार सरकार बनाई जाएगी। यहां के लोग राजनीतिक स्थिरता चाहते हैं जो केवल भाजपा ही दे सकती है। हरियाणा में मुख्यमंत्री बदलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा चुनाव प्रभारी ने कहा कि प्रदेश की जनता ने भाजपा को जनादेश दिया था। यह बदलाव पार्टी की रणनीति का हिस्सा था। भाजपा हरियाणा से पहले कई राज्यों में मुख्यमंत्रियों को बदल चुकी है।

एलओसी पर पाकिस्तान ...

किया है। बताया जा रहा है कि जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है। सेनाएं हाई अलर्ट पर है। सूत्रों ने बताया कि कृष्णाघाटी में एक अग्रिम भारतीय चौकी पर सीमा पार से गोलीबारी की सूचना मिली, जिसके बाद नियंत्रण रेखा की रक्षा कर रहे सेना के जवानों ने जवाबी कार्रवाई की, उन्होंने बताया कि थोड़ी देर तक चली गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ। पूर्वी लद्दाख में एक टैंक को श्योक नदी पार कराने की कोशिश के दौरान सेना के पांच जवानों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जब यह दुर्घटना हुई तब सैनिक टैंक को नदी पार कराने का प्रयास कर रहे थे। सेना की *फायर एंड फ्यूरी* कोर ने कहा कि 28 जून, 2024 की रात एक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के बाद, पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा के निकट श्योक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने के कारण सेना का एक टैंक फंस गया। चाव दल घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तेज बहाव और अधिक जल स्तर के कारण बचाव अभियान सफल नहीं हो सका और टैंक के चालक दल के सदस्यों की जान चली गई।

मधुबनी में गिरा...

यह पुल प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा निर्माण किया जा रहा था। जानकारी के मुताबिक, यह पुल 24 जून से पहले ही ध्वस्त हो चुका था। 24 जून को ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता रामाशीष पासवान ने पुल का निर्माण कर रहे संवेदक अमरनाथ झा को पत्र लिखकर इस बात की जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था कि पुल का एक हिस्सा लटक गया है और इस कारण इसे दोबारा बनाया जाए। कार्यपालक अभियंता के इस पत्र के जवाब में अमरनाथ झा ने यह दलील दी कि बीम के ढलाई के 3 दिन के अंदर ही कोसी नदी में अचानक जलस्तर बढ़ गया, जिसकी वजह से पुल का यह हिस्सा लटक गया। संवेदक ने यह दलील दी क्योंकि कोसी नदी में अभी जलस्तर काफी बढ़ा है, इसलिए जलस्तर कम होने के बाद पुन: निर्माण कराया जाएगा। गौरतलब है, बिहार में पुल गिरने का पिछले 11 दिनों में यह पांचवीं घटना है। इसके बाद पुलिस निर्माण में लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। बता दें कि 18 जून को एरिया में 12 करोड़ की लागत से बकरा नदी के ऊपर बना रहा पुल ध्वस्त हो गया था। इसके बाद 22 जून को सिवान में गंडक नदी पर बना पुल गिर गया। बताया जाता है कि यह पल तकरीबन 40-45 साल पुराना था। इसके बाद 23 जून को पूर्वी चंपारण में लगभग डेढ़ करोड़ की लागत से बन रहा पुल ध्वस्त होने का मामला सामने आया था। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुल के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था और इसी वजह से पुल गिर गया। वहीं, 27 जून को बिहार के किशनगंज में भी कंकाई और महानंदा नदी को जोड़ने वाली एक छोटी सहायक नदी पर बन रहा पुल ध्वस्त हो गया।

न्यायाधीश खुद को...

की सुनवाई करें लेकिन अपराध के प्रति पहले से कोई धारणा तैयार न करें। उन्हें सहानुभूति रखनी होगी। उन्हें इस बात का ख्याल रखना होगा कि हमारे सामने खड़ा हुआ शख्स मनुष्य है। न्यायाधीश भी सामाजिक रीति-रिवाजों के मुताबिक अपनी धारणा नहीं बना सकते। उन्हें संविधान के मुताबिक काम करना होगा। संवैधानिक नैतिकता कहती है कि एक भारतीय जो चाहे सोच सकता है, जो चाहे बोल सकता है। जिसकी चाहे पूजा कर सकता है, जिसका चाहे अनुसरण कर सकता है। किसी के साथ शादी कर सकता है और जो चाहे खा सकता है। संविधान में दी गई स्वतंत्रता का हमेशा ख्याल रखना होगा। इसके बाद उन्होंने टेक्नोलॉजी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे हमें बहुत सारे मौके मिले हैं। कोर्ट अपनी भाषा में जो फैसला सुनाता है उसे जिस भाषा में चाहें अनुवाद कर सकते हैं। हम लोगों (सुप्रीम कोर्ट) ने 51 हजार से अधिक आदेशों का कई भाषाओं में अनुवाद किया है। बंगाली और ओडिया सहित संविधान जिस किसी भी भाषा की स्वीकृति देता है, उन सभी भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं बंगाली और ओडिया भाषा का जिक्र कर रहा हूं, क्योंकि मेरी पत्नी ओडिया को बहुत पसंद करती हैं और बंगाली भी बहुत करीब है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे हाई कोर्ट हैं, जो जमानत से संबंधित मामलों में तत्परता नहीं दिखाते हैं। इसे लेकर मैं बहुत चिंतित हूं। यह न्याय व्यवस्था का आदर्श मॉडल नहीं है।

केजरीवाल को 14 ...

वकील विक्रम चौधरी ने अदालत को बताया कि मामले की जांच 2022 से चल रही है। केजरीवाल को मार्च 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी। सुनवाई की आखिरी तारीख पर उन्होंने (सीबीआई ने) कहा था कि उन्होंने जनवरी में साक्ष्य एकत्र किए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अप्रैल में मंजूरी प्राप्त कर ली थी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुझे पहले गिरफ्तार नहीं किया था क्योंकि वे सुप्रीम कोर्ट तक नहीं पहुंचना चाहते थे। उन्होंने (सीबीआई) सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक बयान भी दिया है कि वे 3 जुलाई तक जांच पूरी कर लेंगे...मैं प्रार्थना कर रहा हूं कि कृपया आईओ (जांच अधिकारी) से कहें कि वे जो भी कह रहे हैं, महामहिम उन्हें पकड़ लें।

राजकोट एयरपोर्ट टर्मिनल...

आए। वहीं, गुरुवार को जबलपुर एयरपोर्ट का भी शेड गिर गया था। इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि जबलपुर में 450 करोड़ से नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट का शेड पहली ही बारिश में कार के ऊपर गिर गया, जिससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। तीन महीने पहले ही टर्मिनल का मोदी जी ने लोकार्पण किया था। उन्होंने लिखा था कि मोदी जी की गारंटी बस तीन महीने ही टिक पाई। मामला खमरिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नवनिर्मित डुमना एयरपोर्ट का ऊपरी छज्जा अचानक गिर गया था। इस दौरान वह खड़ी एक अधिकारी की कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी। गनीमत रही कि किसी को कोई चोट नहीं आई। नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं, इस मामले में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुझे इसकी जानकारी अभी नहीं है। मैं सुबह से ही लगातार बैठक में हूं। लेकिन इसकी पूरी जानकारी ली जाएगी। कोई ऐसी स्थिति बनी है तो दोबारा इसकी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए दिशा-निर्देश दिया जाएगा। गौरतलब है कि 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबलपुर में 450 करोड़ की लागत से बने डुमना नवनिर्मित एयरपोर्ट और ग्वालियर एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन किया था। महज तीन महीने के एयरपोर्ट का छज्जा टूटना निर्माण कार्य के गुणवत्ता पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। गौरतलब है कि डुमना एयरपोर्ट की नई बिल्डिंग 450 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण हुआ था। इसका वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन महीने पहले किया गया था। आयकर विभाग में किराए पर लगी गाड़ी क्रमांक एमपी-20 जेडसी-5496 सहायक आयुक्त को डुमना एयरपोर्ट में छोड़ने गई थी। ड्राइवर ने गाड़ी को गो एंड डॉप एरिया में खड़ी की थी। अधिकारी को छोड़ने के लिए सभी एयरपोर्ट के अंदर चले गए थे। पूर्वान्ह 11.30 बजे फ्रेबिक शेड कार पर गिर गया, जिसके कारण कार का ऊपरी हिस्सा व कांच पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। एयरपोर्ट डायरेक्टर राजीव रत्न पांडे ने बताया कि सुंदरता के लिए गो एंड डॉप एरिया में फैब्रिक कैनोपी लगाई गई थी। बारिश के कारण कैनोपी में पानी भर गया था। पानी के वजन से फैब्रिक फट गया और पानी के फोर्स से नीचे खड़ी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जांच के निर्देश प्रोजेक्ट अधिकारी को दिए गए हैं। भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा घटित न हो, इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। बता दें, सुबह करीब पांच बजे भारी बारिश के कारण आईजीआईए (घरेलू एयरपोर्ट) के टर्मिनल-1 के बाहर प्रस्थान द्वार संख्या 1 से लेकर द्वार संख्या 2 तक फैला शेड गिर गया था, जिससे करीब चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए थे और करीब छह लोग घायल हो गए थे। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

रेहड़ी वालों और ...

स्थानों में स्थायी संरचनाओं वाले व्यापारियों की तरफ से गाड़ी पार्क करने पर आपत्ति जताई। वहीं इस मामले में फेरीवालों ने मांग की कि मेयर फिरहाद हकीम और उनके एसोसिएशन के सदस्यों के बीच एक बैठक में तय किया गया था कि न्यू मार्केट परिसर में सिमपार्क मॉल के सामने पार्किंग की जगह को स्थायी दुकानदारों के वाहनों से खाली कराया जाए और फेरीवालों को अपना सामान लगाने की अनुमति दी जाए।

सारे देश में 48 घंटे...

विज्ञानियों ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों छोड़कर पूरे देश में पहुंच चुका है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर के अलावा कल उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हुई है। दक्षिण के राज्यों में तो पहले से ही बरसात हो रही है। मौसम एवं विज्ञान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून पश्चिम राजस्थान के कुछ और हिस्सों, पूर्वी राजस्थान के शेष हिस्सों में आगे बढ़ा है। हरियाणा के कुछ हिस्से, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ और इलाकों, मध्य प्रदेश के शेष भाग, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ और भाग और उत्तराखंड के शेष भाग तक पहुंच गया है। मानसून की उत्तरी सीमा जैसलमेर, चुरू, भिवानी, दिल्ली, अलीगढ़, कानपुर, गाजीपुर, गोंडा, खीरी, मुरादाबाद, ऊना, पठानकोट और जम्मू से होकर गुजर रही है। पश्चिम विक्षोभ और मानसून के प्रभाव से पिछले 24 घंटे के दौरान दिल्ली-एनसीआर के अलावा, छत्तीसगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा, कोंकण और गोवा में अलग-अलग स्थानों पर ठीकठाक बारिश हुई है। हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर अत्यधिक वर्षा हुई है। पंजाब, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और तमिलनाडु के विभिन्न क्षेत्रों में भारी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

केरल में गैस ...

और पझायंगडी तालुक अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अब सभी छात्रों की हालत स्थिर है। बता दें कि शुक्रवार शाम को टैंकर लॉरी से हाइड्रोक्लोरिक एसिड का रिसाव होना शुरू हो गया। लॉरी कर्नाटक से एर्नाकुलम जा रही थी। हालांकि, पय्यान्नूर और परियायम पुलिस से अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची गई। अग्निशमन दल ने रिसाव पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन, रिसाव को पूरी तरह से रोका नहीं जा सका। अंत में लॉरी कंटेनर के पीछे वाले वाल्व में रिसाव का पता चला और अग्निशमन दल द्वारा वाहन को जल्द की सुरक्षित जगह पर ले जाया गया।

गौहाटी विवि मार्कशीट घोटाले में नौ लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बरपेटा रोड पुलिस तथा सीआईडी के संयुक्त अभियान में गौहाटी विश्वविद्यालय के मार्कशीट घोटाले के नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है रिश्वत लेकर अवैध रूप से छात्रों की मार्कशीट में अंक बढ़ाए गए थे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बरपेटा में इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए सीआईडी को इसकी जांच का जिम्मा सौंपा था। उन्होंने बताया कि बरपेटा पुलिस और सीआईडी संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि यह घोटाला तब सामने आया जब बरपेटा रोड स्थित गणेशलाल चौधरी कॉलेज (जीएलसी कॉलेज) के अधिकारियों ने छठे वर्ष के स्नातक के छात्र अजीजुल हक के अंकों में गड़बड़ी का खुलासा किया था। बरपेटा रोड पुलिस थाने में तुरंत मामला दर्ज किया गया, हालांकि बरपेटा पुलिस पर इसकी लीपापोती के आरोप लगे थे। क्योंकि आरोपित को हिरासत से रिहा कर दिया गया था। स्थानीय मीडिया द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद मुख्यमंत्री ने मामले की जांच के आदेश दिए। जांच में विश्वविद्यालय और कॉलेजों के कई कर्मचारियों की संलिप्तता सामने आयी है। गिरफ्तार किए गए लोगों में गौहाटी विश्वविद्यालय में कार्यरत कृष्णन कृष्णमूर्ति और धुबड़ी लॉ कॉलेज में जूनियर कंप्यूटर

सहायक शिवतोष महतो भी शामिल हैं। गिरफ्तारियां बरपेटा और धुबड़ी पुलिस द्वारा संयुक्त छापेमारी में की गई। नौ आरोपियों में अजीजुल हक, कृष्णन कृष्णमूर्ति (गौहाटी विश्वविद्यालय कर्मचारी), इस्माइल हुसैन (कलगछिया), आलमगीर खान (आमगुरी, कलगछिया), मोइनुल हक (बरडांगा, कलगछिया), हमेज़ उद्दीन (नगांव), अमीनुल इस्लाम (लाइब्रेरियन, लंगला कॉलेज), शिवतोष महतो (जूनियर कंप्यूटर सहायक, धुबड़ी लॉ कॉलेज) और अबुल बाकर (लंगला, कलगछिया) के नाम शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ कानून की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे और भी गिरफ्तारियां होने की संभावना है। हालांकि, पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहा है।

बढ़मपुर के बामुनी-धनतोला जलाशय में शव बरामद

नगांव (हिंस)। नगांव के बढ़मपुर में बामुनी-धनटोला जलाशय में शनिवार को एक शव बरामदगी को लेकर सनसनी फैल गई। पुलिस ने बताया कि शव को सबसे पहले स्थानीय लोगों ने पानी में अर्ध-गली स्थिति में देखा। इसके बाद पुरनी गोदाम पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और शव को निकाला। बाद में परिवार के सदस्यों ने शव की पहचान पास के बारबारी-कछारीगांव के नवीन बसुमतारी के रूप में की। मृतक नवीन बसुमतारी बुधवार दोपहर से लापता था।

डिब्रूगढ़ टाउन स्टेशन से आंशिक रूप से रद्द रहेगी ट्रेनें

गुवाहाटी (हिंस)। डिब्रूगढ़ टाउन स्टेशन के पास मनकट्टा में रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का पुनर्निर्माण विभिन्न विकास कार्यों के लिए किया जा रहा है। इन बुनियादी अवसंरचना के कार्यों को करने के लिए, विभिन्न ट्रेनें डिब्रूगढ़ टाउन स्टेशन के बजाय डिब्रूगढ़ स्टेशन पर प्रस्थान और समापन होंगी। कुछ अन्य ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द भी रहेगी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि जिन ट्रेनों की यात्रा डिब्रूगढ़ टाउन के बजाय डिब्रूगढ़ में समाप्त होगी और चाउलखोवा एवं डिब्रूगढ़ टाउन के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी उनमें 29 जून से 29 जुलाई तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12424 (नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ टाउन) राजधानी एक्सप्रेस 06:00 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। 30 जून से 30 जुलाई तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15669 (गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ टाउन) नगालैंड एक्सप्रेस 10:30 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। 1 से 31 जुलाई तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05915 (शिमलगुड़ी जंक्शन-डिब्रूगढ़ टाउन) पैसेंजर स्पेशल 08:45 बजे डिब्रूगढ़ पहुंचने वाली ट्रेनें शामिल हैं। जिन ट्रेनों की यात्रा डिब्रूगढ़ से शुरू होगी और डिब्रूगढ़ टाउन एवं चाउलखोवा के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी उनमें 1 से 31 जुलाई तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12423 (डिब्रूगढ़ टाउन-नई दिल्ली) राजधानी एक्सप्रेस डिब्रूगढ़ से 20:55 बजे रवाना होगी। 1 से 31 जुलाई तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15670 (डिब्रूगढ़ टाउन-गुवाहाटी) नगालैंड एक्सप्रेस डिब्रूगढ़ से 14:20 बजे रवाना होगी। 1 से 31 जुलाई तक यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 05916 (डिब्रूगढ़ टाउन -शिमलगुड़ी जंक्शन) पैसेंजर स्पेशल डिब्रूगढ़ से 17:35 बजे रवाना होगी। जिन ट्रेनों की सेवा की अवधि में विस्तार होगी उनमें 01 से 31 जुलाई तक ट्रेन संख्या 07902/07903 (डिब्रूगढ़ टाउन -लीडो -डिब्रूगढ़ टाउन) डेमू स्पेशल को वाया डिब्रूगढ़ होकर मुरकंगसेलेक तक विस्तार किया जाएगा। ट्रेन संख्या 07902 (लीडो -मुरकंगसेलेक) डेमू स्पेशल डिब्रूगढ़ 09:40 बजे पहुंचेगी और डिब्रूगढ़ से 09:50 बजे रवाना होने के बाद मुरकंगसेलेक 12:20 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07903 (मुरकंगसेलेक-लीडो) डेमू स्पेशल मुरकंगसेलेक से 15:30 बजे प्रस्थान होने के बाद डिब्रूगढ़ 17:35 बजे पहुंचकर 17:45 बजे रवाना होने वाली ट्रेनें शामिल हैं।

बिहाली में बरामद महिला का अर्धगलित शव

शोणितपुर (हिंस)। बिहाली में बरगांग के मिलनपुर गांव में रेलवे लाइन के पास एक अर्ध-गलित शव बरामद किया गया। बरामद शव की पहचान लियोनी इंदुवार (50) के रूप में की गई है। स्थानीय लोगों ने कहा कि महिला बरगांग की निवासी थी। ज्ञात हो कि महिला 22 जून से लापता थी। पिछले कुछ दिनों से परिवार के लोग महिला की तलाश कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस जांच से ही स्पष्ट हो पाएगा कि महिला की मौत किसी दुर्घटना में हुई है या किसी अन्य कारण से।

हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के इंस्पेक्टर कपिल पाठक के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम ने गुवाहाटी के हातीगांव थाना क्षेत्र के सेवाली पथ पर एक अभियान चलाया। अभियान में दो शातिर ड्रग पेडलरों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान टीम ने पकड़े गए लोगों के कब्जे से 17.3 ग्राम संदिग्ध हेरोइन के साथ एक साबुन का डिब्बा और एक तंबाकू का डिब्बा भी जब्त किया। दोनों

को गिरफ्तार कर इस कारोबार से जुड़े और भी तस्करों के बारे में पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में राज्य के अलग-अलग स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन और एरिया डोमिनेशन चलाया गया। इस दौरान चुराचांदपुर जिले के न्यू बिजांग से दो एसएलआर मैगजीन के साथ, आठ 12 बोर सिंगल बैरल राइफल, एक 315 राइफल मैगजीन के साथ टेलीस्कोपिक साइट, 59 जिंदा गोला बारूद, एक इम्प्रोवाइज्ड हैवी मोर्टार और चार रेडियो सेट बरामद किए गए। वहीं, एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान चुराचांदपुर जिले के सामुलाम्लान, सोंगफेल और लमसाई क्षेत्र से एक इम्प्रोवाइज्ड लंबी दूरी का भारी मोर्टार और तीन गोले बरामद किए गए। इनके अलावा, एक अन्य तलाशी अभियान के दौरान, तेंगनौपाल जिले के लीथोकचिंग से एक 2 इंच का दागा गया गोला बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

छयगांव और मिर्जा स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन चालू

गुवाहाटी (हिंस)। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस), सुमित सिंघल ने छयगांव और मिर्जा स्टेशनों के बीच बिछाई गई नई दोहरी लाइन का वैधानिक निरीक्षण पूरा किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने नवनिर्मित रेल लाइन से ट्रेनों के परिचालन को स्वीकृति प्रदान कर दी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया कि इस नए सेक्शन के चालू होने से ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर न्यू बंगाईगांव से आजरा वाया ग्वालपाड़ा मार्ग को दोहरी लाइन सेक्शन के रूप में चालू कर दिया गया है। बिछाई गई यह नई दूसरी लाइन इस मार्ग से अधिक माल और यात्री परिवहन के लिए सहायक होगी। पहले से ज्यादा ट्रेनों को बढ़ी हुई गति के साथ संचालित किया जा सकेगा, जिससे न्यूनतम समय सीमा के साथ बेहतर कनेक्टिविटी सक्षम हो पाएगा। छयगांव और मिर्जा के बीच की लंबाई 15.558 कि.मी. है। छयगांव-मिर्जा सेक्शन न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा 176 किलोमीटर दोहरी लाइन परियोजना का एक हिस्सा है। सेक्शन के आधार पर कार्य किए जा रहे हैं और भाग दर भाग चालू किया जा रहा हैं। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने सभी पुलों, आरयूबी और सिग्नल प्रणालियों के निरीक्षण

के साथ-साथ इस सेक्शन पर गति परीक्षण भी किया। इससे पहले 28 फरवरी को बामुणीगांव और छयगांव के बीच 8.782 किलोमीटर सेक्शन, 17 अक्टूबर 2023 को धूपधारा और बामुणीगांव के बीच 25.459 किलोमीटर सेक्शन, 03 मई 2023 को मिर्जा और आजरा के बीच 11.35 किलोमीटर सेक्शन और 24 नवंबर 2022 को दुधनई और धूपधारा के बीच 29.71 किलोमीटर सेक्शन को चालू किया गया था। न्यू बंगाईगांव-कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा संपूर्ण सेक्शन के पूर्ण होने पर, पूर्वोत्तर कनेक्टिविटी को देश के बाकी हिस्सों के साथ लोगों और सामग्री दोनों के परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। न्यू बंगाईगांव और कामाख्या वाया ग्वालपाड़ा दोहरी लाइन परियोजना के पूरा होने से मेघालय के दूर-दराज के क्षेत्रों को भी अत्यधिक लाभ होगा।

मिसामारी में अग्निवीर भर्ती रैली का दूसरा चरण 23 से 27 जुलाई तक

विश्वनाथ (विभास)। भारतीय सेना ने अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। यह चरण भारतीय सेना द्वारा अपनी आवश्यकता प्रक्रियाओं को बदलने और इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एक सहज और कुशल चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भर्ती रैली स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी है, इसलिए, सभी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी प्रकार के दलालों से संपर्क न करें। नई भर्ती प्रणाली के हिस्से के रूप में, पहले चरण में ऑनलाइन आम प्रवेश परीक्षा शामिल थी जो अप्रैल-मई 2024 में देश भर में आयोजित की गई थी। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के परिणाम भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। असम के मध्य जिलों यानी शोणितपुर, विश्वनाथ, नागांव और मोरीगांव के लिए आगामी रैली मिसामारी मिलिट्री स्टेशन पर 23 जुलाई 2024 से शुरू होकर 27 जुलाई 2024 तक आयोजित की जाएगी। रैली के लिए एडमिट कार्ड भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। जिन शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को कोई प्रश्न है या जिन्हें अपना एडमिट कार्ड नहीं मिला है, वे भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), शिलांग, एनआईसी मेल आईडी और फोन नंबर 0364-2504177 पर संपर्क करें।

पूर्वाशा हिंदी अकादमी, जोरहाट का आमसभा आयोजित

विश्वनाथ/ जोरहाट (विभास)। पूर्वाशा हिंदी अकादमी की आमसभा बैठक क्लबवे ग्रैंड होटल, जोरहाट में कल आयोजित की गई। अकादमी की संस्थापिका अध्यक्ष रूनु बरुवा जी द्वारा उपस्थित सदस्यों का स्वागत कर बैठक का शुभारंभ किया गया। सचिव जयश्री शर्मा द्वारा पिछली सभा की रिपोर्ट पढ़ी गई और कोषाध्यक्ष जिमी मोदी द्वारा आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। आगामी शिक्षक दिवस पर हिंदी शिक्षक शरद कर्ण का सम्मान करने का निर्णय किया गया। इस कार्यक्रम के लिए 5000/- बजट निर्धारित किया गया और उपाध्यक्षा ममता गिनोड़िया ने शॉल व मोमेंटो स्पांसर करने की घोषणा की। उसी दिन आमसभा बैठक करने का निर्णय भी लिया गया। आगामी हिंदी दिवस पखवाड़े में निर्धारित अन्य कार्यक्रमों के साथ शैमफोर्ड स्कूल में हिंदी भाषा पर जागरूकता शिविर लगाए जाने का प्रस्ताव रखा गया और जेबी कॉलेज तथा एनआईडी में सदस्यों की स्वरचित पुस्तकें व सांझा संकलन उपहार देने का निर्णय लिया गया। अकादमी के सदस्यों की रचनाओं के सांझा-संकलन हेतु गठित की गई पुरानी कमेटी को निरस्त कर नई कमेटी का

गठन किया गया, जो इस प्रकार है -मुख्य संपादक-रूनु बरुवा, संपादक-जयश्री शर्मा, सहकारी संपादक-ज्योति अग्रवाला और शमा जैन सिंघल, प्रबंध संपादक-ममता गिनोड़िया, कार्यकारी संपादक-जिमी मोदी तथा सभी लेखकों को रिमाइंड करवाने हेतु कांति करनानी को नियुक्त किया गया। बैठक में पूर्व सदस्य वंदना मिश्रा को सभी सदस्यों की सहमति से पुनः अकादमी का सदस्य बनाया गया और अंशुमान बरुवा और ज्योमी बरुवा को नए सदस्यों के रूप में जोड़ा गया। पूर्वाशा अकादमी के लिए एक कोरस गीत की रचना की जिम्मेदारी ज्योति अग्रवाला और शमा जैन सिंघल को दी गई है और उसे संगीतबद्ध करने की जिम्मेदारी नई सदस्या ज्योमी बरुवा को दी गई है। अकादमी की लेपल पिन बनाने का दायित्व ममता गिनोड़िया को दिया गया। सीए अंकित बेड़िया को इस वर्ष का ऑडिट करने की जिम्मेदारी दे दी गई है। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद कर जलपान के साथ बैठक की सफलतापूर्वक समाप्ति हुई।

गोलाघाट में पांच किग्रा गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट पुलिस ने पांच किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 39 पर एक नाका स्थापित किया गया। एक बाइक को रोका गया और तलाशी के दौरान बोकाखात के माणिक अहमद नामक व्यक्ति के कब्जे से 5.048 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजे को एक प्लास्टिक बैग में छिपाकर रखा गया था। पुलिस के अनुसार पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। तस्कर को गिरफ्तार कर इस कारोबार से जुड़े और भी तस्करों के बारे में पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

आईआईटी मंडी और आईआईईएसटी शिवपुर में गुवाहाटी के छात्रों की बड़ी सफलता

गुवाहाटी। गुवाहाटी के काहिलीपाड़ा स्थित मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के दो छात्रों वैभव मोमिन और सौम्यदीप पॉल ने प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश लिया है। विद्यालय ने गर्व के साथ इस बात की घोषणा की है। वैभव मोमिन का चयन हिमाचल प्रदेश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई टी) मंडी के लिए हुआ है। दूसरी ओर, सौम्यदीप पॉल ने पश्चिम बंगाल के शिवपुर में भारतीय इंजीनियरिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आई आई ई एस टी) में स्थान हासिल किया है। अपनी उपलब्धियों पर टिप्पणी करते हुए, वैभव मोमिन ने कहा कि आईआईटी जैसे संस्थान में इंजीनियरिंग का अध्ययन करना मेरा सपना था। इस उपलब्धि की खुशी मेरे द्वारा की गई कड़ी मेहनत से कहीं अधिक है। अपनी यात्रा के दौरान सभी सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए मैं अपने परिवार और मॉडर्न इंग्लिश स्कूल को धन्यवाद देना चाहता हूं। अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए, सौम्यदीप पॉल ने कहा कि बहुत उतार-चढ़ाव के बाद अपने सपनों के कॉलेज में शामिल होने की मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में

योगदान करने के लिए तत्पर हूं। मेरे माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल का समर्थन मेरी सफलता की कुंजी है, जिनके उत्साह और प्रेरणा ने मुझे आज इस स्तर तक पहुंचाया है। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती जोनाली दास ने कहा कि उनके सफलता उनके कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। हम इस खबर को प्राप्त करके बहुत खुश हैं और मॉडर्न इंग्लिश स्कूल को वैभव और सौम्यदीप की उपलब्धियों पर गर्व है।

रंगिया: जैन मंदिर प्रांगण में स्वास्थ्य उपचार संबंधी संगोष्ठी आयोजित

रंगिया (विभास)। श्री दिगंबर जैन मंदिर, रंगिया प्रांगण में मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद्र जैन के नेतृत्व में शुक्रवार को स्वास्थ्य की देखभाल और उपचार संबंधित एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर एम्स गुवाहाटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. कल्याण शर्मा, मधुमेह और नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अनन्या गोस्वामी, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुधा किंकर गोस्वामी सहित स्थानीय दंत चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. राहुल जैन और डॉ. कृति भारद्वाज तथा चिकित्सक श्रेया जैन उपस्थित रही जिन्होंने स्वास्थ्य सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं से बचाव और इसके निराकरण के बारे में जागरूकता प्रदान की। चिकित्सकों ने बताया कि अगर मानव का रक्तचाप, मधुमेह और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में रहे तो उसे बीमारी होने की संभावना कम रहती

है। उन्होंने कहा कि दैनिक रूप से चलने फिरने और व्यायाम करने से व्यक्ति का शरीर स्वस्थ्य रहता है और बीमारी नियंत्रित रहती है। इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और अपनी समस्याओं को लेकर सवाल भी पूछे। कार्यक्रम में मौजूद डॉक्टरों ने समस्या के समाधान पर चर्चा की और सुझाव दिए। संध्या 7 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम की बागडोर स्थानीय समाजबंधु पवन पहाड़िया और निखिल पहाड़िया ने संभाली जिसमें समाज की महिलाओं ने भी भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम में नलबाड़ी जैन समिति के कोषाध्यक्ष प्रमोद पाटनी एवं राजेश जैन भी उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम प्रारंभ होने के पूर्व सभी समाजबंधुओं ने मंदिर प्रांगण में विराजमान श्री प्रमुख सागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका परीक्षाश्री एवं परमाथ्या श्री माताजी का दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

न्यायमूर्ति डॉ. बीपी सराफ सम्मान समारोह में 71 बच्चों को स्कॉलरशिप

गुवाहाटी। न्यायमूर्ति डॉ. बीपी सराफ सम्मान समारोह के दौरान कुल 71 बच्चों को स्कॉलरशिप प्रदान की। दरअसल शैक्षिक व सहशैक्षिक प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के तहत गांधी बाल निकेतन की ओर से न्यायमूर्ति डॉ. बीपी सराफ प्रतिभा सम्मान समारोह में 71 प्रतिभाओं को स्कॉलरशिप के चैक, रजत पदक व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। दानवीर के रूप में पहचाने जाने वाले डॉक्टर अशोक सराफ की पहल पर राजस्थान के रतनगढ़ में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर पुष्पा सत्यानी, उपखंड अधिकारी अमित वर्मा, भामाशाह डॉ. अशोक सराफ, सचिव राजीव उपाध्याय और संस्थाध्यक्ष घनश्याम चन्द्र सोनी मंचासिन थे। जिला कलेक्टर ने कहा कि समाज में हमें केवल लेना ही नहीं, देना भी आना चाहिए। शिक्षित व्यक्तियों को प्रण लेना चाहिए की वो तीन अन्य लोगों को भी शिक्षित करेंगें। भामाशाह डॉ. सराफ ने कहा कि स्कॉलरशिप योजना की शुरुआत अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा देने के लिए की गई थी ताकी सभी विद्यार्थी सकारात्मक मेहनत करते हुए सफल व्यक्ति बन पाए। इस अवसर पर उन्होंने सरदारशहर ब्लॉक के लिए 10 इंटरेक्टिव

बोर्ड उपलब्ध करवाने की घोषणा भी की। समारोह में 57 प्रतिभाओं को डॉ. बीपी सराफ स्कॉलरशिप के रूप में कुल 5.20 लाख रुपये के चैक, सराफ शिक्षा सम्मान के तहत छह विद्यार्थियों को रजत पदक व प्रशस्ति पत्र, सराफसेवा सम्मान के तहत सात कार्मिकों को रजत पदक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था सचिव राजीव उपाध्याय ने अतिथियों का माला, स्मृति चिह्न एवं गांधी साहित्य भेट कर स्वागत किया। संचालन कुलदीप व्यास ने किया। कार्यक्रम के तहत सेवा सम्मान से दीपिका शर्मा, रूपा भोजक, ममता शर्मा, बबीता कुमावत, त्रिभुवन स्वामी, अंकिता माटोलिया, चेतन प्रजापत। खेल सम्मान में जिया उपाध्याय को तथा शिक्षा सम्मान से रमन सैनी, भूमिका अग्रवाल, तन्वी पारीक, उज्ज्वल सैनी, यशवी चौधरी व निधि कंवर को सम्मानित किया। इनके अलावा कल 71 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप प्रदान कर डॉ. अशोक सराफ जिले में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने की नीव रख डाली है। वहीं दूसरी ओर गुवाहाटी के सराफ परिवार की पहल पर वरिष्ठ अधिवक्ता और भामाशाह डॉ. अशोक सराफ व अधिवक्ता डॉ. बीरेंद्र सराफ की देखरेख में राजस्थान के रतनगढ़ में श्री हनुमानबक्स सराफ भवन एवं श्री शंकरलाल सराफ चिल्ड्रेन पार्क का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर उच्चतम न्यायालय, भारत के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां, गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र सइकिया व न्यायमूर्ति देवाशीष बरुवा, महाराष्ट्र के महाधिवक्ता डॉ. बिरेंद्र सराफ, गुवाहाटी के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अशोक सराफ, संस्था के अध्यक्ष घनश्याम चंद्र सोनी एवं सचिव राजीव उपाध्याय समेत कई विशिष्ट लोग मौजूद थे। डॉ. अशोक सराफ ने बताया कि श्री हनुमान बक्स सराफ भवन एक प्री-प्राइमरी स्कूल पूर्णतः एसी स्कूल है, जहां पर छह वर्ष से कम उम्र के बच्चे अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन कर सकते हैं। पूरे जिले में यह अपनी तरह का पहला प्ले स्कूल है। जबकि श्री शंकरलाल सराफ चिल्ड्रेन पार्क में इस स्कूल के बच्चे खेलकूद सकते हैं। वहां पर बाल मनोभाव के अनुरूप मनोरंजन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

संपादकीय

लाखों मौतों की जवाबदेही

यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति-नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन,गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। दरअसल, अनियोजित कॉलोनियों व बहुमंजिली इमारतों के निर्माण से हवा का वह स्वाभाविक प्रवाह बाधित हुआ है जो वायु प्रदूषण रोकने में मददगार होता था। दीवाली के आसपास पराली जलाने का ठीकरा किसानों के सिरों पर फोड़कर प्रदूषण नियंत्रण की जवाबदेही से मुक्त होने का जो उपक्रम होता है, वह जगजाहिर है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से वर्ष 2021 में जिन 21 लाख लोगों की मौत होने का जिक्र है, दुर्भाग्य से उनमें 1,69,400 बच्चे हैं। जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका शारीरिक विकास भी सही से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां हो सकती हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। हर साल शीत ऋतु की दस्तक होने पर वायु प्रदूषण का जो बड़ा संकट राष्ट्रीय राजधानी में पैदा होता है, उसे शासन फौरी उपायों से दूर करने का प्रयास करता है। वाहनों की गुणवत्ता के मानकों पर प्रवेश, ऑड-ईवन की तर्ज पर वाहनों का चलाना, फैक्ट्रियों में उत्पादन पर रोक, निर्माण कार्य पर रोक जैसे फौरी उपायों का सहारा लिया जाता है। फिर साल भर के लिये तंत्र हाथ पे हाथ धरे बैठा रहता है।

> 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। दुखद बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित व परेशान करने वाले हैं। वहीं नीति- नियंताओं को शर्मसार करने वाले भी हैं कि इस दिशा में अब तक गंभीर प्रयास क्यों नहीं हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पर्यावरण प्रदूषण संकट से अकेला भारत ही जूझ रहा है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही को ही दर्शाता है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से यह प्रदूषण फैल रहा है और किस तरह वे इससे बचाव कर सकते हैं। सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं।

वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

ललित गर्ग

> भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है।

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण

को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है। यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ति होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं। चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है।

दृष्टि कोण

'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट के वे आंकड़े परेशान करने वाले हैं

पिछले दो वर्षों के दौरान प्रौद्योगिकी की कहानी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इससे उत्पन्न उत्साह एवं व्यवधान का बोलबाला रहा है। हालांकि वर्ष 2023 के उत्तरार्ध में कॉपीराइट, पूर्वाग्रह, निजता और डीपफेक जैसे नैतिक मुद्दों के सामने आने से इस कहानी में थोड़ी कड़वाहट घुलने लगी। दुनिया के अधिकांश लोकतंत्रों में या तो चुनाव हो चुके हैं या होने वाले हैं, इसलिए 2024 में एआई की पहली प्रमुख नैतिक परीक्षा होगी कि वह लोकतंत्र की मदद करेगा या उसे नष्ट कर देगा। भारत में तो चुनाव हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, इंडोनेशिया और अन्य प्रमुख लोकतंत्रों में इस साल महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। हालांकि डीपफेक जेनरेटिव एआई से पहले से ही अस्तित्व में है, लेकिन सोरा और स्टेबल डिफ्यूजन जैसे उत्पादों ने उसके उत्पादन को लोकतांत्रिक बना दिया है, जिससे अब बड़े पैमाने पर इसे बनाना आसान, तेज और सस्ता हो गया है। सोशल मीडिया पर भी हम सब शीर्ष पर हैं, जहां व्हाट्सएप, टिकटॉक और इसी तरह के अन्य सोशल मीडिया फ्लेटफॉर्म वैश्विक स्तर पर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश और स्लोवाकिया में चुनाव हुए, जिसमें डीपफेक भी एक पक्ष बन गया। बांग्लादेश के एक विपक्षी नेता को फलस्तीन के समर्थन के मुद्दे पर दुविधा की स्थिति में दिखाया गया, इस तरह का रुख अपनाना उस देश में विनाशकारी है। स्लोवाकिया के चुनाव में भी एक प्रमुख दावेदार ने कथित तौर पर चुनावों में धांधली की बात कही थी और इससे भी चिंताजनक बात थी कि उन्होंने बीयर की कीमत बढ़ाने की बात की, जो कथित तौर पर उनकी हार का कारण बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की नकली आवाज में लोगों से यह अपील की गई कि वे अमेरिकी

प्राइमरी में मतदान नहीं करें। वर्ष 2016 के कैंब्रिज एनालिटिका विवाद की यादें अब भी ताजा हैं। बड़े चुनावों के नजदीक आते ही खतरे की घंटी बज गई है। यहीं पर मैं इसके एक दूसरे पहलू का उल्लेख करना चाहूंगा। जरा पाकिस्तान को देखिए, वहां भी इसी वर्ष की शुरुआत में चुनाव हुए। वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में थे। उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छीन लिया गया और उनके कुछ उम्मीदवारों को धमकाया गया और कुछ को जेल में भी डाल दिया गया। हालांकि अंततः दूसरी पार्टियों की जीत की घोषणा की गई, लेकिन ज्यादातर खबरें दावा करती हैं कि भारी धांधली और हेराफेरी के बावजूद इमरान खान की पार्टी ने अच्छी सफलता पाई। खान ने जेल में रहते हुए पूरे देश में चुनाव प्रचार करने के लिए जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल किया और इस कहानी को पलट दिया कि एआई लोकतंत्रों को नष्ट करती है। जेनरेटिव एआई का इस्तेमाल करके उन्होंने मतदाताओं से अपनी पार्टी के लिए मतदान करने का आग्रह करते हुए फुटेज तैयार किया और इसे यूट्यूब और अन्य ऑनलाइन चैनलों पर खूब शेयर किया गया। लोगों ने उनके आह्वान पर ध्यान दिया और रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया, जिससे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को बड़ी संख्या में सफलता मिली। पाकिस्तान ने दिखा दिया कि कैसे एआई का इस्तेमाल करके लोकतंत्र को नष्ट करने के बजाय उसे मजबूती दी जा सकती है। यहां मैं डीपफेक की विनाशकारी शक्ति से इन्कार नहीं कर रहा हूं, और मुझे डर है कि भारत के किसी भी चुनाव और अन्य चुनावों में इसका इस्तेमाल विमर्श को भड़काने और मनगढ़ंत कथानक को आकार देने के लिए किया जा सकता है। हालांकि चुनावों, जो लोकतंत्र का एक मुख्य स्तंभ है, को बेहतर बनाने के लिए एआई बहुत कुछ कर सकता है। पाकिस्तान का उदाहरण इसका रचनात्मक तरीका है। चुनावों में पारदर्शिता, समावेशिता और दक्षता बढ़ाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी उन्नत डाटा विश्लेषण क्षमताएं वास्तविक समय में चुनाव से संबंधित डाटा की निगरानी कर सकती हैं, जिससे धोखाधड़ी का संकेत देने वाली किसी भी अनियमितता की पहचान की जा सकती है। एआई एल्गोरिदम मतदाता पंजीकरण या मतदान में अनियमितताओं के पैटर्न का पता लगा सकते हैं। एआई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम की सुरक्षा में भी सुधार कर सकता है।

कुछ अलग

बुरा जो देखन मैं चला...

विज्ञान मानता है कि हमारे दिमाग में रोज लगभग 60000 विचार आते हैं। इनमें से लगभग 98 प्रतिशत विचार पुराने विचार होते हैं जो हर रोज दोहराए जाते हैं, रिपीट होते रहते हैं। यही नहीं, मनोविज्ञान यह भी बताता है कि हमारे कुल विचारों का 80 प्रतिशत नेगेटिव विचार होते हैं। हमारा कभी किसी से झगड़ा हुआ, किसी ने हमारा अपमान कर दिया, किसी ने हमारी बात नहीं मानी, किसी ने हमारा नुकसान कर दिया जैसी घटनाओं से जुड़े विचार हमारे दिमाग में उमड़ते-घुमड़ते रहते हैं। हम मन ही मन उन लोगों को बुरा-भला कहते रहते हैं जिनसे हम नाराज हैं। उन्हें तो पता भी नहीं चलता कि हम उनके बारे में क्या सोच रहे हैं और हम अपने ही दिल में मवाद भरते चलते हैं जो कई बार अनावश्यक तनाव का कारण बन जाता है और अक्सर यह तनाव किसी बीमारी के रूप में सामने आता है। इस प्रकार अपने विचारों से ही हम खुद को बीमार कर लेते हैं। जीवन है तो हर तरह के लोगों से हमारा वास्ता पड़ता है, पड़ता ही है। हम किसी से खुश हो जाते हैं, किसी से नाराज हो जाते हैं और किसी की उपेक्षा कर देते हैं। हमारे दिमाग में हमारे संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति की एक विशिष्ट छवि बन जाती है, धारणा बन जाती है, परसेप्शन बन जाती है और उस व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार उसी छवि, उसी धारणा, उसी परसेप्शन के अनुसार ढल जाता है। किसी-किसी व्यक्ति को हम बुरा व्यक्ति मानना शुरू कर देते हैं और उसके प्रति हमारी धारणा नेगेटिव हो जाती है, दूषित हो जाती है। सच तो यह है कि वह हर व्यक्ति बुरा नहीं होता जिसे हम बुरा मान लेते हैं, सिर्फ उस व्यक्ति के प्रति हमारी अपनी सोच नेगेटिव होती है, दूषित होती है। वह व्यक्ति बुरा है या नहीं, यह अलग बात है, पर हमारी सोच उस पर बुरे व्यक्ति का लेबल लगा देती है। हमारी इच्छाओं का कोई अंत नहीं है। एक इच्छा पूरी होते ही नई इच्छा जन्म ले लेती है। हम गरीब हों तो इतने अमीर होना चाहते हैं कि जीवन आराम से चल सके, लेकिन जैसे ही हमारी कमाई इतनी बढ़ जाए कि जीवन आराम से चलने लगे तो हमें बड़े घर की और बड़ी गाड़ी की जरूरत महसूस होने लगती है, बड़ा घर आ जाए, बड़ी गाड़ी आ जाए तो फिर लगता है कि अपनी संतान के लिए भी कुछ इंतजाम कर लें, अपने बुढ़ापे के लिए इंतजाम कर लें। यह सब भी हो जाए तो हमारी सोच के केंद्र में हमारे बच्चों के बच्चे आ जाते हैं, हम उनके लिए भी कोई पक्का इंतजाम कर लेना चाहते हैं। इच्छाओं का सचमुच कोई अंत नहीं है, और जो कोई भी इन इच्छाओं के आड़े आए, वह बुरा व्यक्ति है। हम उसे बुरा मान लेते हैं और यह नहीं सोचते कि खुद हमारी सोच नेगेटिव है क्योंकि हम इच्छाओं के पुतले हैं, लालच के पुतले हैं। बचपन में मैंने एक कथा सुनी थी कि एक संन्यासी भिक्षा मांगते हुए एक राजा के द्वार पर जा पहुंचे। राजा ने पूछा कि उन्हें क्या चाहिए तो उन्होंने अपना छोटा-सा भिक्षा पात्र आगे कर दिया और कहा कि बस इस भिक्षा पात्र को भर दीजिए, जिस मर्जी चीज से भर दीजिए, बस यह भिक्षा पात्र भर जाए, और कुछ नहीं चाहिए। बहुत छोटी-सी मांग थी, राजा को लगा कि इतने छोटे से भिक्षा पात्र को भरने में क्या जाएगा, और देर भी भला क्या लगेगी, सो राजा ने आदेश दिया कि भिक्षा पात्र को सोने की अशर्फियों से भर दिया जाए। खजाना खोल दिया गया और भिक्षा पात्र को भरने का काम शुरू हो गया। पर यह क्या? भिक्षा पात्र में अशर्फियां डाली जातीं और वो न जाने कहां गायब हो जातीं, भिक्षा पात्र था कि भरने का नाम ही नहीं ले रहा था। सवेरे से शाम हो गई, खजाना खाली होने को आ गया, लेकिन भिक्षा पात्र नहीं भर पाया तो राजा ने हैरान होते हुए हाथ जोड़ कर संन्यासी ने पूछा कि यह चमत्कारी भिक्षा पात्र क्या है, किस चीज से बना है।

देश दुनीया से

राष्ट्र सर्वोपरि तो अग्निवीर भर्ती क्यों?

> प्राचीन काल से भारत भूमि राजकौशल, युद्धकला और रणनीतियों की वीरभूमि रही है। लेकिन अब आधुनिक युद्ध कौशल, सैन्य साजो-सामान और तकनीकों के आने से सेना अपने नए लॉन्च किए गए 'प्रोजेक्ट उद्भव' के माध्यम से और यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) के सहयोग से भारतीय सैन्य प्रणालियों, युद्धकला और सामरिक विकास के दृष्टिकोण से बदलाव की ओर अग्रसर है। इस अध्ययन का समग्र उद्देश्य आधुनिक सैन्य शिक्षाशास्त्र के साथ सदियों पुराने ज्ञान को एकीकृत करना है।

भारत एक शांतिप्रिय देश है और प्राचीन काल से भारत भूमि राजकौशल, युद्धकला और रणनीतियों की वीरभूमि रही है। लेकिन अब आधुनिक युद्ध कौशल, सैन्य साजो-सामान और तकनीकों के आने से सेना अपने नए लॉन्च किए गए 'प्रोजेक्ट उद्भव' के माध्यम से और यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) के सहयोग से भारतीय सैन्य प्रणालियों, युद्धकला और सामरिक विकास के दृष्टिकोण से बदलाव की ओर अग्रसर है। इस अध्ययन का समग्र उद्देश्य आधुनिक सैन्य शिक्षाशास्त्र के साथ सदियों पुराने ज्ञान को एकीकृत करना है। साल 2023 की ग्लोबल फायर पावर रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। एक बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि जब से अग्निवीर भर्ती योजना आई है, तब से नेपाल में किसी भी तरह की भर्ती रैली का आयोजन नहीं हुआ है। आजादी से पहले तक गोरखा रेजिमेंट में करीब 90 फीसदी गोरखा सैनिक नेपाल के होते थे और 10 फीसदी भारतीय गोरखा, लेकिन बाद में इसे 60 फीसदी नेपाली डोमेसाइल गोरखा और 40 फीसदी भारतीय डोमेसाइल गोरखा कर दिया गया। लिहाजा भारत सरकार को भारतीय युवाओं और गोरखा सैनिकों की नियमित सैनिक भर्ती को अनुमति देनी चाहिए। भारतीय सशस्त्र बलों का एक गौरवशाली अतीत रहा है और बाह्य एवं आंतरिक सुरक्षा स्थापना में हमारे अधिकारियों एवं जवानों ने वीरता और बलिदान की अतुलनीय एवं अनुकरणीय गाथाएं रची हैं। इतना ही नहीं, आजादी के बाद देश की सीमाओं के भीतर आंतरिक सुरक्षा की बात हो, आतंकवाद से मुकाबले की बात हो, घुसपैठ का मामला हो या कानून व्यवस्था का मसला हो, सीमापार से थोपी हुई लड़ाइयां हों अथवा संयुक्त राष्ट्र संघ शांति स्थापना अभियान, प्रत्येक मोर्चे पर हमारे सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों एवं जवानों ने अपनी बहादुरी की अद्भुत दास्तानें लिखी हैं जो आज भी हमारी पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। हमारे सैनिकों की बहादुरी एवं बलिदान का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आजादी के बाद हुई लड़ाइयों और आतंकवाद विरोधी कार्रवाइयों में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के 25942 अधिकारी और जवान शहीद हुए हैं। आजकल जो भर्तियां होती हैं, वे किसी भी राज्य की पुरुष जनसंख्या के अनुपात को ध्यान में रखकर की जा रही हैं, जिस वजह से भारतीय सशस्त्र सेनाओं में हिमाचली युवाओं की भागीदारी घटी है। ऐसा माना जाता है कि श्मशीन के पीछे खड़ा आदमी ही महत्वपूर्ण है, लिहाजा हमारी सैन्य तैयारियों में हथियारों को स्त्रोन्नत करने के साथ-साथ उन आधुनिक मशीनों और हथियारों को चलाने वाले सैनिकों को भी उच्च प्रशिक्षित कर उन्हें हुनरमंद, सक्षम, कुशल तथा योग्य बनाने की होनी चाहिए जो अग्निवीर भर्ती योजना में संभव नहीं है। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) एचएस पनाग के अनुसार वर्ष 2020 से नियमित सैनिकों की कोई भर्ती नहीं की गई है, जबकि हर साल 50 से 60 हजार के बीच सैन्यकर्मी रिटायर होते हैं। 2020 से 2023 के बीच दो लाख से लेकर 2.4 लाख के बीच सैनिक रिटायर हुए हैं, जबकि पेंशन खर्च से बचने की नीति के चलते अब तक केवल 72340 अग्निवीर ही ट्रेनिंग के बाद यूनिटों में शामिल किए गए हैं। इस तरह 127660 से लेकर 168660 कर्मियों की कमी हो गई है। इस कमी के कारण सेनाओं की ऑपरेशनल कुशलता पर काफी बुरा असर पड़ा है। भारतीय सेना में अफसरों की वैसे ही कमी

चल रही है और हमारी सेना कुल 18.3 फीसदी अधिकारियों की कमी से जूझ रही है। पेंशन बिल में कमी आने में अभी 15 से 20 साल लगेंगे। जब सेवारत अग्निवीरों का प्रतिशत बढ़ेगा और उसी अनुपात में रिटायर होने वाले नियमित सैनिकों की संख्या कम होगी, यहां यह बताना उपयुक्त होगा कि तब तक अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 20 ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी और तब जीडीपी के 2-3 फीसदी के बराबर के रक्षा बजट का आकार करीब 400/600 अरब डॉलर के बराबर हो जाएगा। यह वृद्धि वेतन तथा पेंशन बिल में वृद्धि के अलावा सेनाओं में बदलाव के उपायों को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा। लिहाजा अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव अपेक्षित है। यह देखते हुए कि आने वाले समय में लड़े जाने वाले युद्ध परमाणुयुक्त, एनबीसी वारफेयर और अत्याधुनिक मिसाइल तकनीक पर आधारित होंगे, इसलिए हमारे सैनिकों को व्यवहार कुशल एवं बौद्धिक रूप से सक्षम बनाने, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, कम्युनिकेशन स्किल, साइबर लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स वारफेयर, प्रोपेगैंडा, मनोवैज्ञानिक तौर तरीके, मीडिया तथा सोशल मीडिया, हनिट्रेप आदि पर आधारित नई लड़ाइयों से निपटने की सिखलाई देने की आवश्यकता है।

आप का नजरीया

बड़ी सफलता

बड़ी सफलता लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानि एनडीए के लिए विजय का दिन था जबकि भारतीय जनता पार्टी के लिए गौरव का। भाजपा अपने सहयोगियों को इस बात का एहसास कराने में सफल रही कि जिस तरह महत्वपूर्ण मंत्रालय का दायित्व उन्होंने अपने सहयोगियों को फिर से सौंपा उसी तरह लोकसभा अध्यक्ष का पद भी अपने पास ही रखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्यशैली से परिचित लोगों ने तभी अनुमान लगा लिया था कि बिरला ही लोकसभा अध्यक्ष बनेंगे जब उन्हें मत्रिपरिषद में जगह नहीं मिली और राजनाथ सिंह ने अपने सहयोगी पार्टियों के नेताओं को दो टूक कह दिया था कि लोकसभा अध्यक्ष का पद भाजपा अपने पास ही रखेगी और किसी भी सहयोगी ने आपत्ति नहीं जताई। दरअसल स्पीकर के मुद्दे पर भाजपा ने जितनी सावधानी और चतुराई से अपने सहयोगियों को साधा, कांग्रेस ने उतनी ही लापरवाही बरती। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने जैसे ही बयान दिया कि उन्होंने इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों के नेताओं से बात करके अपने पार्टी के प्रत्याशी के. सुरेश की घोषणा की है, ठीक उसके बाद ही तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिजीत बनजी का स्पष्टीकरण आ गया कि उनकी पार्टी से कोई बात नहीं हुई। यही नहीं इंडिया गठबंधन के वरिष्ठ नेता शरद पवार ने तो यहां तक कह दिया कि उन्होंने कांग्रेस नेताओं को सलाह दी थी कि पहले लोकसभा अध्यक्ष आम सहमति से बनने दें फिर डिप्टी स्पीकर की बात होती रहेगी। असल में राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने जैसे ही शर्त लगाई कि यदि उन्हें डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को दिए जाने का आश्वासन देंगे तभी वह स्पीकर के पद पर सरकार का साथ देंगे, वैसे ही भाजपा के शीर्ष नेताओं ने कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस पचास वर्षो से चली आ रही स्पीकर के चुनाव में आम सहमति की परम्परा तोड़ने जा रही है। यह भी सही है कि कांग्रेस पर भाजपा के इस आरोप का कोई असर नहीं पड़ा और उसने अपना प्रत्याशी खड़ा करके एनडीए प्रत्याशी ओम बिरला के निर्विरोध चुनाव के उम्मीदों पर पानी पेर दिया। यह कहना कि स्पीकर के चुनाव में कांग्रेस ने मत विभाजन की मांग पर न अड़कर बिरला के लिए रास्ता आसान कर दिया। यह बिल्वुल ही गलत है कि कांग्रेस ने कोई भी उदारता दिखाई। सच तो यह है कि एनडीए और इंडिया के संख्या बल पर किसी को कोई संदेह था ही नहीं। प्रोटेम स्पीकर भर्तहरि महताब ने चुनाव के तीन पद्धतियों में से पहली यानि ध्वनि मत का इस्तेमाल किया। ध्वनि से ही पता चल गया कि विपक्ष के पास 234 से ज्यादा की संख्या नहीं बढ़ पाई है जबकि एनडीए के पास 293 अपने सदस्य तो हैं ही, चुनाव हुआ तो वाईएसआरसी के 4 सदस्य भी एनडीए को वोट देने को तैयार बैठे थे। इस तरह बिरला के पक्ष में 297 वोट पड़ते। इस तरह जब इंडिया गठबंधन 63 मतों से हारता तो वह स्थिति कांग्रेस के लिए हतोत्साहित करने के लिए पर्याप्त होती। इसीलिए कांग्रेस ध्वनिमत से आगे की मांग पर नहीं बढ़ी अन्यथा प्रोटेम स्पीकर हाथ गणना और अंत में मत विभाजन की प्रक्रिया भी अपनाते। बहरहाल इंडिया गठबंधन खुद को एक स्वर में न तो बोलते दिखा और न ही किसी तरह प्रभावी रणनीति बनाने में सफल हुआ जबकि भाजपा ने सहयोगी दलों के नेताओं से मिलकर अपना लक्ष्य बड़ी आसानी से प्राप्त कर लिया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना को बढ़ावा देने के लिए अयोध्या, वाराणसी एवं गोरखपुर में चलेगा अभियान

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश को *उत्तम प्रदेश* बनाने के लिए योगी सरकार संकल्पित है। राज्य सरकार अयोध्या, वाराणसी व गोरखपुर में *प्रधानमंत्री सूर्य घर रूफटॉप सोलर योजना* के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएगी। यह जागरूकता अभियान इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कम्यूनिकेशंस (आईएमसी) मॉड्यूल पर बेस्ड होगी। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस कार्य को पूर्ण करने के लिए सीएम योगी के विजन अनुसार जो कार्ययोजना तैयार की गई है उस पर उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने कार्य शुरू कर दिया है। इस दो महीने चलने वाले वृहद अभियान के उचित संचालन के लिए 02 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की जाएगी और इस कार्य को पूर्ण करने के लिए बाकायदा एक फर्म को इम्पैनल किया जाएगा, जिसकी नियुक्ति व कार्यावंटन की प्रक्रिया यूपीनेडा द्वारा शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) जन जागरूकता बढ़ाकर प्रदेश के प्रमुख शहरों अयोध्या, वाराणसी और गोरखपुर में प्रधानमंत्री सूर्य घर रूफटॉप सोलर योजना की स्वीकार्यता में बढ़ावा और योजना के अंतर्गत लाभान्वितों की संख्या में तेजी लाना चाहती है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए तथा जनता तक पहुंच बढ़ाने के लिए आईएमसी गतिविधियों को बड़े पैमाने पर चलाया जाएगा। इसमें बैनर प्रदर्शित करना, रणनीतिक स्थानों पर बिलबोर्ड लगाना, बूथ कैंप लगाना, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और गतिविधियों के साथ-साथ पैम्फलेट वितरण जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। यूपीनेडा द्वारा अयोध्या, गोरखपुर और वाराणसी में रेडियो और समाचार पत्रों में विज्ञापन देने के साथ ही अन्य कई माध्यमों से प्रचार-प्रसार को लक्षित किया जा रहा है। इस क्रम में, विकास भवन, डिस्कॉम बिलिंग ऑफिस, डिविजनल ऑफिस व सब स्टेशन, नगर निगम समेत ज्यादा फुटफॉल वाले रणनीतिक रूप से प्रमुख स्थानों पर बैनर, स्टैंडीज, बिलबोर्ड और बूथ कैंप लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, 150 ऑटो रिक्शा व 150

ई-रिक्शा व व्हीकल्स के बैकसाइड को कवर किया जाएगा। वहीं, अयोध्या में 4, गोरखपुर में 4 व वाराणसी में 2 वेंडर ट्रेनिंग प्रोग्राम्स का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि चैंबर ऑफ कॉमर्स, बार एसोसिएशन, रेड क्रॉस व सीए सोसाइटीज में कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाई जाएगी। वहीं, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), अयोध्या यूनिवर्सिटी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी तथा अन्य प्रसिद्ध कॉलेजों व स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा प्रोफेसर्स, टीचर्स, स्टाफ व स्टूडेंट्स का सहयोग लिया जाएगा। वहीं, अयोध्या में तीन, गोरखपुर में चार तथा वाराणसी में सोलर एनर्जी इनेबल्ड मोबाइल व्हीकल (सूर्य रथ) को शहर के प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा। जरूरत के अनुसार इनके जरिए जरिए डोर टू डोर कैंपेन जैसी प्रक्रियाओं को भी पूर्ण किया जा सकता है। वहीं, तीनों चिह्नित शहरों में सोलर मेला का भी आयोजन किया जाएगा जिसके जरिए केंद्र व राज्य की सौर व अन्य स्वच्छ ऊर्जाओं को बढ़ावा देने वाली योजनाओं से आम जनता को अवगत कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अयोध्या और वाराणसी को पहले से ही सोलर सिटी के तौर पर विकसित करने की प्रक्रिया जारी है, ऐसे में व्यापक अभियान के जरिए अब गोरखपुर में भी सोलर ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और व्यापक प्रचार-प्रसार का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

राजस्थान में एकल पट्टा प्रकरण जांच के लिए समिति गठित

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में एकल पट्टा प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार ने समिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर पूर्व न्यायाधीश आरएस राठौड़ की अध्यक्षता में इस समिति का गठन किया गया है। साथ ही गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव इस समिति के सदस्य होंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में एकल पट्टा प्रकरण में हुई अनियमितताओं पर न्यायालय से प्रकरण वापिस लेने के लिए कमेटी गठित की गई थी। लेकिन कमेटी में तत्कालीन यूडीएच मंत्री के कार्यालय से संबंधित अधिकारियों को शामिल किया गया था। इससे उक्त कमेटी की निष्पक्षता पर सवाल उठे थे। पूर्व न्यायाधीश आरएस राठौड़ की अध्यक्षता में नव गठित समिति एकल पट्टा प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

नए जिलों के पुर्नगठन की समीक्षा के लिए ललित के पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जिलों के पुर्नगठन के संबंध में एक समिति के गठन को मंजूरी दी है। पूर्व आईएएस ललित के पंवार की अध्यक्षता में गठित यह कमेटी नए जिलों के पुर्नगठन के संबंध में मंत्रिमंडलीय उप-समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में जिलों का पुनर्गठन करते हुए नवीन जिले सृजित किए गए थे। राज्य सरकार द्वारा गठित नवीन जिलों की प्रशासनिक आवश्यकताओं, वित्तीय संसाधनों सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा का फैसला किया गया था। हाल ही में इस सन्दर्भ में मंत्रिमंडलीय उप-समिति का गठन भी किया गया है। नवगठित कमेटी मंत्रिमंडलीय उप-समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विधायक ने ली बैठक

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने शनिवार को रेलवे, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और यूआईटी के अधिकारियों के साथ कोटगेट रेलवे फाटक समस्या के समाधान सहित रेलवे से जुड़े अन्य बिंदुओं पर चर्चा की। रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र स्थित जिला उद्योग संघ सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विधायक ने कहा कि कोटगेट और सांखला फाटक पर प्रस्तावित आरयूबी के निर्माण से पूर्व यहां सीवर लाइन और पाइपलाइन की शिफ्टिंग तथा बरसात के दौरान आने वाले पानी के निस्तारण की ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि आरयूबी में भूमि अवाप्ति से जुड़े मामलों पर रविवार को जिला कलेक्टर और नगर विकास न्यास सचिव के साथ बैठक की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाए। जयपुर प्रवास के दौरान उपमुख्यमंत्री और सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी से भी इस संबंध में चर्चा की जाएगी। इस दौरान नागणेचीजी रेल फाटक पर आरओबी बनाए जाने पर चर्चा हुई। विधायक व्यास ने कहा कि पीडब्ल्यूडी द्वारा इससे जुड़ी फिजीबिलिटी रिपोर्ट उपलब्ध करवाई जाए। इसके आधार पर इसे रेलवे मुख्यालय को भिजवाया जाएगा। इसी प्रकार खान कॉलोनी में प्रस्तावित आरयूबी के लिए रेलवे और पीडब्ल्यूडी को संयुक्त सर्वे करने के निर्देश दिए। लालगढ़ क्षेत्र में स्वीकृत दोनों अंडर पास का कार्य 15 अगस्त के बाद करवाए जाने की जानकारी रेलवे अधिकारियों द्वारा दी गई। इस दौरान चौखूटी और एमएस कॉलेज, रेलवे ओवर ब्रिज के पास फुट ओवर ब्रिज बनाने, रानी बाजार रेलवे अंडर ब्रिज को कवर करने तथा बरसाती पानी निकासी की कार्रवाई के लिए भी कहा। रेलवे के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (पश्चिम) एनके शर्मा ने बताया कि कोटगेट और सांखला फाटक आरयूबी की रेलवे से जुड़ी सभी तैयारियां कर ली गई हैं। अंडर ब्रिज को चारों ओर से कवर किया जाएगा। वहीं इनमें पम्प इंजन और सेंसर होंगे, जो बरसाती पानी के त्वरित निस्तारण में मददगार होंगे। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने कहा कि रेलवे और राज्य सरकार के संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए इस समस्या से निजात दिलाएं। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता मुकेश गुप्ता, रेलवे के कनिष्ठ अभियंता मयंक रावत, रमजान खान तंवर, पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता विक्रम बिश्नोई, नरेश मित्तल, उद्यमी राजेश चूरा, वीरेंद्र किराडू, राजेंद्र शर्मा, पुनीत शर्मा और शैलेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संजय झा बने जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

पटना (हिंस)। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बड़ा फैसला लिया है। नीतीश कुमार ने सर्वसम्मति से अपने करीबी संजय झा को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। संजय झा को नीतीश कुमार का खास माना जाता है और अब उन्हें बड़ी जिम्मेदारी मिली है। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संजय झा अब जदयू का कामकाज देखेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद अब भी नीतीश कुमार के पास ही है। ऐसे में किसी भी बड़े फैसले पर अंतिम मुहर नीतीश कुमार की ही होगी। संजय कुमार को जदयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव खुद नीतीश कुमार ने रखा, जिसके बाद सर्वसम्मति से संजय झा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में रविवार तक चलेगी। बैठक में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर मिशन-2025 की तैयारी पर चर्चा

हुई। जदयू के नेताओं ने कहा कि इस बैठक में अलग-अलग राज्यों की पार्टी इकाई की ओर से संगठन को मजबूत बनाए जाने को लेकर कई सुझाव दिए गए। बैठक में सभी ने सहमति जताई कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में पार्टी आगे भी चलती रहेगी। इस दौरान झारखंड विधानसभा चुनाव में भी जदयू की ओर से उम्मीदवार उतारने पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि मंत्रियों और पार्टी कार्यकर्ताओं का संवाद हो। जब कोई मंत्री क्षेत्र में दौरे पर जाएं, तो इसकी जानकारी बूथ स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को मिल सके।

मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने किया भाजपा मुख्यालय का घेराव

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा सीबीआई-ईडी का कथित दुरुपयोग कर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल के नेतृत्व में जयपुर में शनिवार को आप कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए भाजपा कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल समेत दर्जनों आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया। प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा की कथित तानाशाही देश के लोकतंत्र और संविधान का गला घोंट रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मुख्यमंत्री केजरीवाल से डर लगता है इसलिए केजरीवाल को जेल में रखना मोदी की मजबूरी बन गई है। लोगों को यह भरोसा था कि लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी अपनी तानाशाही बंद कर देगी, लेकिन जिस तरह से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में रखा गया है, उससे पता चलता है कि वह तानाशाही जारी रखना चाहते हैं। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत दी तो ईडी हाईकोर्ट भाग गई और जब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी तो सीबीआई ने उन्हें एक दिन पहले ही गिरफ्तार कर लिया। इससे पता चलता है कि बीजेपी किसी भी तरह से अरविंद केजरीवाल को जेल में रखना चाहती है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का जन्म ही आंदोलन से हुआ है और आम आदमी पार्टी का हर कार्यकर्ता और देश की जनता अरविंद केजरीवाल के साथ मजबूती से खड़ी हैं। वह अंतिम सांस तक देश के लोकतंत्र को बचाने के लिए भाजपा की तानाशाही के खिलाफ लड़ते रहेंगे। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल, प्रदेश कार्यालय प्रभारी भृथहरी नाथावत, आप नेता राजेंद्र मीना, डीके जैन, प्रदीप बिचौलिया भानू, समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी भी दी।

सरकारी जमीन से अवैध निर्माण हटाने गई पुलिस पर हुआ पथराव

कठुआ (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले की तहसील नगरी के अधीन पड़ते कल्याणपुर पदरी क्षेत्र में शनिवार को राजस्व विभाग की टीम के साथ कठुआ पुलिस सरकारी जमीन से अवैध निर्माण हटाने गई थी। इसी बीच अतिक्रमण अभियान का विरोध कर रहे समुदाय विशेष के लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसमें डीएसपी सहित पांच पुलिस कर्मी घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कठुआ प्रशासन द्वारा कठुआ पुलिस की मदद से एक बड़ा अतिक्रमण अभियान शुरू किया गया था, लेकिन जब अतिक्रमण विरोधी टीम ने नगरी के कल्याणपुर पदरी क्षेत्र में अभियान शुरू किया तो अतिक्रमित भूमि पर कब्जा कर रहे गुज्जर समुदाय के उत्तेजित लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। जिसमें डीएसपी मुख्यालय मंजीत सिंह समेत महिला पुलिसकर्मी घायल हो गईं। इसी बीच पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए हवाई फायर भी किए।

पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों ने नगूरां-उचाना रोड पर लगाया जाम

जींद (हिंस)। पेयजल की मांग को लेकर बधाना गांव के लोगों ने शनिवार को नगूरां-उचाना मार्ग पर गांव के जलघर के सामने अवरोधक डालकर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही नगूरां पुलिस चौंकी प्रभारी नफे सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों के आने तक जाम खोलने से मना कर दिया। नगूरां चौंकी प्रभारी ने मौके पर जलापूर्ति विभाग के जेई रोहित को बुलाकर लोगों की पीने के पानी की समस्या शाम तक दुरस्त करने का आश्वासन देकर करीब दो घंटे से लगे जाम को खुलवा दिया। जाम के कारण रोड़ पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी लाइने लग गई। जिससे राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पानी की मांग कर रहे पुरुषों तथा महिलाओं ने जाम के दौरान सड़क पर पानी के खाली मटके रखकर सरकार एवं जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नारेबाजी कर रहे पुरुषों तथा महिलाओं ने बताया कि सरकार ने बधाना गांव में सुधारीकरण के नाम पर करोड़ों रुपए का बजट जारी किया था, लेकिन जलापूर्ति विभाग के उच्चाधिकारियों ने ठेकेदार से मिलीभगत कर बजट को सही ढंग से लगाने की बजाए पूरे बजट में ही घालमेल कर दिया। जलापूर्ति विभाग के जेई रोहित ने बताया कि लोड की अधिकता के चलते बार-बार स्टार्टर के जलने के कारण ऐसी दिक्कत आ रही है। जल्द ही कैथल से बड़े स्टार्टर को मंगवा कर लोगों के पीने के पानी की किल्लत दूर कर दी जाएगी। नहरी पानी के लिए भी सभी जरूरी उपकरण जल्द जलघर में लगा दिए जाएगें और नहरी पानी के लिए साथ लगती माइनर से सिंचाई विभाग के अधिकारियों से स्वीकृति भी ली जाएगी। क्योंकि जींद नहर से बधाना गांवों स्थित जलघर के टैंकों को नहरी पानी नहीं मिल रहा है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर मंत्री मदन दिलावर का पुतला फूंका

झालावाड़ (हिंस)। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय से पैदल मार्च निकालकर शहीद निर्भयसिंह सर्किल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का पुतला जलाकर कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने विरोध प्रर्दशन किया व राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर शिक्षा मंत्री को हटाने की मांग की। पीसीसी सदस्य सय्यद इमरान अली ने कहा की मंत्री दिलावर की ओर से दिया गया आदिवासी समाज के खिलाफ बयान बेहद घटिया है। सरकार बिजली व पानी जैसी समस्याओ को लेकर गंभीर नहीं है। झालावाड़ जिले में बिजली की कटोती हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र में पानी की भी गंभीर समस्या है। उनका आरोप था कि नीट परीक्षा में धांधली जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए मंत्री हल्की बयानबाजी कर रहे है। पार्षद अंजना बैरवा ने कहा कि मदन दिलावर ने आदिवासी समाज के बारे में जो टिप्पणी की वो महिलाओं के सम्मान के खिलाफ है। मंत्री अपने विभाग का काम तो ठीक से नहीं कर पा रहे है और इस तरीके के उल्टे सीधे बयान देकर समाज को बांटने का कार्य कर रहे हैं।

जनता के टैक्स से आ रहा वेतन, जानमाल की रक्षा करना कर्तव्य : दीपक सहारण

हिसार (हिंस)। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा है कि पुलिस द्वारा संगठित अपराध पर रोक लगाने के लिए प्रभावशाली कार्रवाई की जाएगी। संगठित अपराध में लिप्त अपराधियों पर कमरतोड़ कार्रवाई की जाएगी तथा उनके सहयोगियों व गिरोह सहित पूरे आपराधिक तंत्र को पूर्णतया ध्वस्त किया जाएगा। यही नहीं, अपराधियों को सूचना व पनाह देने वालों के खिलाफ भी उदाहरणात्मतक कार्रवाई की जाएगी। नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण शुक्रवार देर सायं कार्यभार संभालने उपरांत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक देर रात तक चली। उन्होंने कहा कि संगठित अपराध के साथ जिले में नशा उन्मूलन, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सहित साइबर अपराध नियंत्रण करने तथा महिला विरुद्ध अपराध सहित सभी तरह के अपराधों पर रोक लगाने पर उनकी प्राथमिकता रहेगी। नशीले पदार्थों व साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण तथा हिसार में सुगम यातायात बनाने के लिए भरकस

प्रयास किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मेस में सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों और थाना प्रबंधकों की बैठक ली। उन्होंने बैठक में कहा कि हिसार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। जनता की गाढ़ी कमाई के टैक्स से हमारी तनख्वाह आती है। हमारी जिम्मेवारी है कि उनके जानमाल की रक्षा करें। कानून के दायरे में रहते हुए बदमाशों का खात्मा करें और गलत काम करने वालों को उनके अंजाम तक पहुंचाए। थाना या चौकी में आने वाले किसी भी आगंतुक से सभ्य तरीके से पेश आएं, भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं होगा, ट्रैफिक नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन में पुलिस उपस्थिति बढ़ाएं। सभी पर्यवेक्षण अधिकारी, थाना और चौकी प्रभारी अपने अपने क्षेत्र में प्रभावी गश्त कर जिले में होने वाली अवैध गतिविधियों की की रोकथाम सुनिश्चित करें। इससे पहले जिला करनाल से स्थानांतरित होकर आए नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण का पुलिस लाइन स्थित आधिकारिक मेस पहुचने पर पुलिस अधिकारियों ने स्वागत किया। सहायक पुलिस अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार मोहन ने गुलदस्ता भेंट कर पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। इस से पहले वे जिला फतेहाबाद, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ (नारनौल) में पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपायुक्त मानेसर के पद पर रहे हैं। अब वे करनाल से स्थानांतरित होकर हिसार के पुलिस अधीक्षक नियुक्त हुए हैं।

तिरुपति धाम में पूरे विधि-विधान से किया भगवान वेंकटेश का अभिषेक

हिसार (हिंस)। अध्यात्म व सामाजिक सरोकारों से जुड़े श्री तिरुपति बालाजी धाम में भगवान श्री वेंकटेश जी का अभिषेक पूरे विधि-विधान से किया गया। अर्चकों ने नियमानुसार पूजा व अर्चना करके जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों से आए काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान वेंकटेश के दर्शन किए। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी व श्री गोदांबा माता जी की स्तुति करके मन्नत मांगी। इस दौरान पूरा तिरुपति धाम जय गोविंदा, जय तिरुपति बालाजी, जय माता पद्मावती व जय माता गोदांबा के उदघोष से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर भगवान की सवारी शोभा यात्रा भी निकाली गई। इस शोभा यात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर अपने इष्ट के प्रति आस्था जताई। श्री तिरुपति धाम पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्री वेंकटेश भगवान जी, श्री पद्मावती माता जी, श्री गोदांबा माता जी, श्री गरुड़ जी, श्री लक्ष्मी नृसिंह जी, श्री सुदर्शन जी, श्री रामानुज स्वामी जी, श्री शठकोप स्वामी जी एवं श्री हनुमान जी के मंदिरों के भी दर्शन किए। अग्रोहा रोड पर लांदड़ी टोल प्लाजा के पास स्थापित श्री तिरुपति बालाजी धाम में 42 फुट ऊंचा सोने का श्री गरुड़ स्तंभ, बलिपीठम् व श्री तिरुपति यज्ञशाला भी विशेष दर्शनीय हैं।

बोइंग सुरक्षा खामियों से जुड़े विवादों के समाधान के लिए सरकार से कर रही बातचीत, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली ।
मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े विमान निर्माता बोइंग को अमेरिका में कॉर्पोरेट मॉनिटरिंग के तहत लाया जा सकता है। डीओजे (अमेरिकी न्याय विभाग) के अभियोजक बोइंग के खिलाफ आरोप गठित करना चाहते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी खुद को दोषी ठहराने के लिए सहमत होगी या नहीं।

विमान निर्माता बोइंग कंपनी पर 737 मैक्स विमान हादसों के बाद सुरक्षा में खामी बरतने से जुड़े गंभीर आरोप लगे। खबर है कि कि इन आरोपों से उत्पन्न परिस्थिति को हल करने के लिए विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग अमेरिकी न्याय विभाग के साथ बातचीत कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार कंपनी के खिलाफ मामलों के निपटारे की घोषणा अगले सप्ताह की जा सकती है।

गोपनीय बातचीत की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े विमान निर्माता को कॉर्पोरेट मॉनिटरिंग के तहत लाया जा सकता है। डीओजे (अमेरिकी न्याय विभाग) के अभियोजक बोइंग के खिलाफ आरोप गठित करना चाहते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी खुद को दोषी ठहराने के लिए सहमत होगी या नहीं।

2021 में ट्रंप सरकार के आखिरी दिनों में अमेरिकी सरकार और बोइंग के बीच बातचीत शुरू हुई थी। यह बातचीत दो विमान दुर्घटनाओं जिसमें 346 लोग मारे गए थे, के बाद कंपनी पर कार्रवाई से संबंधित थी। उधर, हादसे के पीड़ितों के परिवार के कुछ सदस्यों ने सरकार से बोइंग पर आपराधिक आरोप दर्ज करने का आग्रह किया है, जिससे उन्हें कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने में मदद मिल सकती है।

हालांकि, विवादों के समाधान के लिए सरकार से हो रही इस बातचीत का बोइंग को बहुत ज्यादा लाभ मिलने की उम्मीद नहीं है। बोइंग के खिलाफ कारखानों में गुणवत्ता की खामियों और नियामकीय उल्लंघन से जुड़े कई जांच चल रहे हैं। ऐसे में सरकार से समझौते के बावजूद कंपनी के लिए संकट खत्म हुआ यह नही माना जा सकता है। ब्लूमबर्ग के अनुसार इस मामले में बोइंग के प्रवक्ता की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

न्यूज ब्रीफ

अप्रैल-मई में जीडीपी का सिर्फ तीन फीसदी; शुद्ध कर राजस्व के रूप में 3.19 लाख करोड़ रुपये की कमाई

नई दिल्ली । सरकार का कुल खर्च मई अंत तक 6.23 लाख करोड़ या चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 13.1 फीसदी रहा है। एक साल पहले 13.9 फीसदी था। राजकोषीय घाटा 2023-24 में जीडीपी का 5.6 फीसदी था। केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा अप्रैल-मई में जीडीपी के अनुपात में सिर्फ तीन फीसदी या 50,615 करोड़ रुपये रहा। 2023-24 के अप्रैल-मई में यह बजट अनुमान का 11.8 फीसदी रहा था। चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार ने इसे जीडीपी के 5.1 फीसदी या 16.85 लाख करोड़ रुपये पर रखने का लक्ष्य रखा है। महालेखा नियंत्रक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध कर राजस्व 3.19 लाख करोड़ रुपये रहा है या 2024-25 के बजट अनुमान का 11.8 फीसदी रहा। एक साल पहले समान अवधि में यह 11.9 फीसदी रहा था। सरकार पर 172 लाख करोड़ देनदारी सरकार पर कुल देनदारी इस साल मार्च तक 3.4 फीसदी बढ़कर 171.78 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई।दिसंबर अंत तक यह 166.14 लाख करोड़ थी। समीक्षाधीन तिमाही में सार्वजनिक कर्ज सकल देनदारियों का 90.2 फीसदी था। वित्त मंत्रालय ने कहा, अंतरिम बजट में घोषित उधार योजना के उम्मीद से कम रहने के चलते घरेलू बॉन्ड के रिटर्न में नरमी आई। कुल खर्च 6.23 लाख करोड़ सरकार का कुल खर्च मई अंत तक 6.23 लाख करोड़ या चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 13.1 फीसदी रहा है। एक साल पहले 13.9 फीसदी था। राजकोषीय घाटा 2023-24 में जीडीपी का 5.6 फीसदी था। बुनियादी ढांचा उद्योगों की वृद्धि दर 6.3 फीसदी कोयला, प्राकृतिक गैस व बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से मई, 2024 में देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा उद्योगों की वृद्धि दर 6.3 फीसदी रही। अप्रैल में इन क्षेत्रों का उत्पादन 6.7 फीसदी बढ़ा था। आंकड़ों के मुताबिक, कोयला, प्राकृतिक गैस और बिजली उत्पादन की वृद्धि दर क्रमशः 10.2 फीसदी, 7.5 फीसदी और 12.8 फीसदी रही।

कई राज्यों में सस्ता हुआ पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली । भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम पर आधारित होती हैं। आपको बता दें कि भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय

बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के भाव तय करती हैं। जिसके बाद हर सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव जारी करती है। ऐसे ही तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। जिसके मुताबिक देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। जबकि कुछ राज्यों में इसकी कीमतें घटी भी हैं। अगर वही राज्य स्तर की बात करें तो बिहार में पेट्रोल 9 पैसे घटकर 107.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल 9 पैसे घटकर 93.92 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, केरल, नागालैंड, ओडिशा,पंजाब, राजस्थान और तामिलनाडु में पेट्रोल डीजल की कीमतों में कटौती की गई है। तो वही महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी देकने को मिली है। यहां पेट्रोल के दाम 37 पैसे बढ़कर 104.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 35 पैसे बढ़कर 91.08 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मिजोरम, पुडुचेरी और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गोवा, गुजरात में पेट्रोल डीजल के भाव बढ़ गए हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

बीएसए ला रही अपनी नई बाइक गोल्ड स्टार 650

नई दिल्ली । बीएसए कंपनी भारत में अपनी नई बाइक गोल्ड स्टार 650 लेकर आ रही है। ब्रिटिश दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी इस बाइक को आगामी 15 अगस्त को लॉन्च करेगी।

यह रॉयल इनफील्ड की बाइक्स को टक्कर देगी। बीएसए गोल्ड स्टार 650 में 652सीसी, लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलेंडर, डीओएचसी, 4-वाल्व इंजन के साथ ट्विन स्पार्क प्लग मिलेगा, जो 45बीएचपी की पावर और 55एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसे 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ स्लिप और असिस्ट क्लच से जोड़ा जाएगा। इस बाइक में गोल हेडलैंप, क्लासिक टियर ड्रॉप आकार का फ्यूल टैंक, फ्लैट सीट डिजाइन और एग्जॉस्ट के साथ रेट्रो डिजाइन मिलेगा।

कैंपा कोला का पुराना रुतबा लौटाएंगे मुकेश अंबानी, कोका-कोला और पेप्सिको को देंगे टक्कर

नई दिल्ली ।
आज सॉफ्ट ड्रिंक का बाजार काफी बड़ा बन गया है। एक अनुमान के मुताबिक, अगले चार साल में करीब यह करीब 660 अरब डॉलर की इंडस्ट्री बन सकती है। लेकिन, इतनी बड़े सॉफ्ट ड्रिंक सेगमेंट में मुख्यत: दो ही अमेरिकी कंपनियों का कब्जा है, कोका कोला और पेप्सिको। कोका कोला का मार्केट कैप 266 और पेप्सिको का 244 अरब डॉलर के आसपास है।

इन दोनों के दबदबे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीसरे नंबर पर मौजूद केयूरिग डॉ. पेपर सिर्फ 46 अरब डॉलर है। बात करें भारत के सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट की तो इसे लेकर अनुमान है कि 2027 तक यह 11 अरब डॉलर का होगा।

हालांकि, कोई भी स्वदेशी ब्रांड दुनिया की टॉप 3 कंपनियों के आसपास भी नहीं है। लेकिन, हमेशा से ऐसा नहीं था। एक वक्त था, जब भारतीयों के पास अपना देसी सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड था, जिसके स्वाद का हर कोई दीवाना था। उसका नाम था, कैंपा कोला।

आइए जानते हैं कि कैंपा कोला की शुरुआत कैसे हुई, इसने लोगों के बीच अपनी पहचान किस तरह से बनाई और फिर इसका वजूद कैसे खत्म हुआ और यह दोबारा कैसे रिवाइव हो रहा है।

सरकार ने खोला था कैंपा कोला के लिए रास्ता

भारत में शुरुआत से ही सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में विदेशी कंपनियों का ही दबदबा था। लेकिन, 1977 में इमरजेंसी हटने के बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार हुई और जनता पार्टी की सरकार बनी। नई सरकार की नीतिगत बदलावों के चलते भारतीय बाजार का स्वरूप ही बदल गया।

इश्तिहारों के दम पर बढ़ाई पहुंच

इसमें कोई शक नहीं कि कैंपा कोला शत प्रतिशत कोका कोला की नकल था। लेकिन, इसकी सबसे बड़ी खासियत था, इसके इश्तिहार। कंपनी ने 16 साल के नौजवान सलमान खान को अपना ब्रैंड अंबेसडर बनया। उनके साथ विज्ञापन में जैकी श्रॉफ की पत्नी आयशा भी थीं। कैंपा कोला का जोर राष्ट्रवादी साख पर भी था, क्योंकि यह विशुद्ध मेड इन इंडिया ब्रांड था। और कंपनी ने इसे भुनाने में कभी कोई कोताही नहीं बरती। कंपनी ने शुरुआत में भले ही नौजवानों पर फोकस किया, बाद में बुजुर्गों से लेकर बच्चे तक इसके खरीदार बन गए।

कैंपा कोला का जादू खत्म कैसे हुआराष्ट्र

- साल 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव ने अर्थव्यवस्था का उदारीकरण किया। इससे विदेशी कंपनियों के लिए लचीली शर्तों के साथ भारत आने का रास्ता खुल गया।
- इस फैसले ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नया जीवनदान दिया, लेकिन देसी कंपनियों के लिए यह काफी बड़ा झटका था।
- कैंपा कोला और थम्स अप जैसी देशी सॉफ्ट ड्रिंक कंपनियों ने पेप्सिको और कोका कोला के आने के जमकर विरोध भी किया।
- सरकार पर आरोप लगाए गए कि वह अमेरिकी कंपनियां अकूत पैसों के दम पर सियासी फैसलों को प्रभावित कर रही हैं। लेकिन, इसका कोई फायदा ना हुआ।

आखिर में वही हुआ, जिसका अंदाजा था। कोका कोला और पेप्सी की गलाकाट होड़ में भारतीय कंपनियों का वजूद बिखर गया। थम्स अप को तो कोका कोला ने ही खरीद लिया। फिर कैंपा कोला भी धीरे-धीरे मार्केट से गायब हो गया। लेकिन, इसके कद्रदानों की आज भी मौजूद हैं और उनका दावा है कि कैंपा का स्वाद वैश्विक कंपनियों के मुकाबले कहीं ज्यादा अच्छा था।

दोबारा मार्केट किंग बन रहा कैंपाराष्ट्र

- अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कारोबार को बढ़ाने के लिए कैंपा कोला को करीब 22 करोड़ रुपये में खरीदा था।
- यह रिलायंस की उम्मीदों पर बिल्कुल खरा भी उतरा है। इसने वित्त वर्ष 2023-24 में रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की कमाई में करीब 400 करोड़ रुपये का इजाफा किया है।
- इस दौरान कोला कोला की ऑपरेशन से आमदनी लगभग 4,500 करोड़ रुपये रही। इसका मतलब कि कैंपा कोला की कमाई कोका कोला के रेवेन्यू का करीब दसवां हिस्सा है।
- भारत के 50,000 करोड़ रुपये के सॉफ्ट ड्रिंक मार्केट में कोका कोला के दबदबे को देखते हुए कैंपा की यह बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी।

कैंपा कोला के सामने हैं चुनौतियां

कैंपा कोला ने जिस जमाने में भारतीय बाजार पर राज किया, उसमें और आज के माहौल में जमीन-आसमान का अंतर है। उस वक्त उपभोक्ता सॉफ्ट ड्रिंक की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे थे। लेकिन, अब उपभोक्ताओं का एक वर्ग अपनी सेहत को काफी गंभीरता से लेकर रहा है और मीठे पेय पदार्थों से दूरी बना रही है। ऐसे में रिवाइव हुए कैंपा कोला को अब बिल्कुल अलग चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

लेकिन, एक चीज कैंपा कोला के हक में है और वह है रिलायंस का साथ। कैंपा कोला का स्वाद हमेशा से लाजवाब था। यह बस मार्केट से इसलिए बाहर हुई थी, क्योंकि इसके पास कोला कोला और पेप्सिको का मुकाबला करने के लिए पैसे नहीं थे। मगर आज कैंपा कोला के सिर पर रिलायंस ग्रुप का हाथ है। और रिलायंस के पास हर चुनौती से निपटने के लिए पैसों के साथ क्षमता भी है।

भारत में मनी लांड्रिंग की रोकथाम का मुरीद हुआ एफएटीएफ

नई दिल्ली ।
देश में गैरकानूनी तरीके से पैसे का लेन-देन करने, अवैध कमाई को पकड़ने और आतंकी संगठनों तक वित्तीय संसाधनों की पहुंच को रोकने के लिए भारत का रिकार्ड बहुत ही अच्छा है। एफएटीएफ इससे इतना संतुष्ट है कि उसने भारत को जी-20 देशों के समूह में चयनित उन चार देशों की श्रेणी में रखा है, जिन्हें उन विषयों पर अपनी रिपोर्ट अब तीन वर्ष बाद वर्ष अक्टूबर 2027 में ही देनी होगी।

वित्त मंत्रालय ने क्या कहा

वित्त मंत्रालय ने एफएटीएफ की तरफ से मिली प्रशंसा को भारतीय आर्थिकी की मजबूती के लिए प्रोत्साहन करार दिया है, जबकि विदेश मंत्रालय ने इसे एक सफलता व सकारात्मक कदम करार दिया है। एफएटीएफ यानी फाइनेंशिएल एक्शन टास्क फोर्स दुनिया के 40 देशों का एक ऐसा संगठन है, जो वैश्विक स्तर पर अवैध तरीके से नकदी के लेन-देन की निगरानी करता है और इसे रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की समीक्षा करता है। इसके मुताबिक कदम नहीं उठाने वाले देशों को एफएटीएफ ब्लैक लिस्ट भी कर सकता है, जिससे उस देश को बाहरी कर्ज मिलने या कारोबार करने में परेशानी हो सकती है। दो वर्ष पहले एफएटीएफ ने पाकिस्तान को प्रतिबंधित सूची में डालने की धमकी दे दी थी। इससे बचने के लिए ही पाक सरकार को आतंकी संगठनों के वित्तीय स्त्रोत पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाने पड़े थे।

पाकिस्तान को भी करनी पड़ी थी कार्रवाई

इस प्रतिबंध से बचने के लिए पाकिस्तान को अपने पाले कई आतंकी संगठनों के मुखियाओं जैसे जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर और लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ भी कार्रवाई करनी पड़ी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, एफएटीएफ की बैठक सिंगापुर में चल रही है लेकिन मनी लांड्रिंग व आतंकी संगठनों को फंडिंग रोकने को लेकर भारत में की गई।

शार्क टैंक वाली नमिता थापर की एमक्योर फार्मा ला रही आईपीओ

नई दिल्ली ।
चर्चित बिजनेस टीवी शो- शार्क टैंक इंडिया में बतौर जज नजर आने वाली नमिता थापर की कंपनी एमक्योर फार्मा अपना आईपीओ ला रही है। यह इश्यू 1,952.03 करोड़ रुपये का है, जो 3 जुलाई को खुलेगा और इसे 5 जुलाई तक सब्सक्राइब किया जा सकेगा। यह भारती हेक्साकॉम (4,275 करोड़ रुपये), आधार हाउसिंग (3,000 करोड़ रुपये) और गो डिजिट (2,614 करोड़ रुपये) के बाद 2024 का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

कितना है आईपीओ का प्राइस बैंड

एमक्योर फार्मा आईपीओ का प्राइस बैंड 960-1,008 रुपये प्रति शेयर है। एक लॉट में 14 शेयर है। इसका मतलब है कि आपको एमक्योर फार्मा के आईपीओ में निवेश करने के लिए अपर प्राइस बैंड के हिसाब से कम से कम 14,112 रुपये लगाने होंगे। शेयरों का अलॉटमेंट 8 जुलाई को होगा। शेयर मार्केट में लिस्टिंग 10 जुलाई को होगी। कंपनी आईपीओ से मिली रकम का

इस्तेमाल कर्ज कम करने और कामकाजी खर्च चलाने के लिए करेगी।

कितना मिल सकता है मुनाफा

नमिता थापर की कंपनी का ग्रे मार्केट प्रीमियम अच्छी कमाई का संकेत दे रहा है। एमक्योर फार्मा का आईपीओ का जीएमपी करीब 270 रुपये प्रति शेयर चल रहा है। इस हिसाब से एमक्योर फार्मा की लिस्टिंग 1278 रुपये पर हो सकती है। इसका मतलब कि निवेशकों को 26.79 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिल सकता है।

भारत को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए 1.5 अरब डॉलर का ऋण देगा विश्व बैंक

नई दिल्ली ।
विश्व बैंक ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले ऊर्जा उत्पादन के विकास में तेजी लाने के लिए दूसरे ऑपरेशन के तहत भारत को 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है।विश्व बैंक ने वाशिंगटन में बताया कि 'लो-कार्बन एनर्जी प्रोग्रामेटिक डेवलपमेंट पॉलिसी ऑपरेशन' का दूसरा चरण ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोलाइजर के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सुधारों में मददगार होगा, जो ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीक है। यह ऑपरेशन सरकार की ऊर्जा सुरक्षा और विश्व बैंक की हाइड्रोजन फॉर डेवलपमेंट (एच4डी) भागीदारी के अनुरूप है। विश्व बैंक के अनुसार, सुधारों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025-26 से प्रति वर्ष कम से कम 4,50,000 टन ग्रीन हाइड्रोजन और 1,500 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर का उत्पादन होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, यह अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष पांच करोड़ टन कमी लाने में भी महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा।

यह ऑपरेशन राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार को और विकसित करने के कदमों का भी समर्थन करेगा। भारत में विश्व बैंक के निदेशक ऑगस्त तानो कुआमे ने कहा, विश्व बैंक को भारत की लो-कार्बन विकास रणनीति का समर्थन जारी रखने की प्रसन्नता है, जो देश के शुद्ध-शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा और निजी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नौकरियां पैदा करेगा। कुआमे ने कहा, पहले और दूसरे, दोनों ऑपरेशनों में ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में निजी निवेश को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के तेज़ी से बढ़ने की उम्मीद है। विश्व बैंक के अनुसार, आर्थिक विकास के साथ उत्सर्जन वृद्धि पर लगाम लगाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाना होगा, ख़ास तौर पर औद्योगिक क्षेत्रों में।

ऑपरेशन के लिए टीम लीडर की भूमिका निभा रहे ऑरेलियन क्रूस, शियाओडोंग वांग और सुरभि गोयल ने कहा, भारत ने ग्रीन हाइड्रोजन के लिए घरेलू बाज़ार विकसित करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं, जो तेज़ी से विस्तारित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित है।

विश्व बैंक ने जून 2023 में 1.5 अरब डॉलर के पहले ऑपरेशन को मंज़ूरी दी थी, जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए ट्रांसमिशन शुल्क की छूट, सालाना 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निविदाएं शुरू करने के लिए एक स्पष्ट राह तैयार करना और राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार के लिए एक कानूनी ढांचा बनाना शामिल है।

जेपी मॉर्गन के एमर्जिंग इंडेक्स में शामिल हुआ भारतीय बॉन्ड; इतने रुपये तक आ सकता है विदेशी निवेश

मुंबई ।
जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी अपने बेंचमार्क एमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में भारत के सरकारी बॉन्ड्स को शामिल कर लिया है। दो साल तक भारत को वॉचलिस्ट में रखने के बाद यह फैसला किया है। पिछले साल सितंबर में जेपी मॉर्गन ने कहा था कि 28 जून, 2024 से उसके गवर्मेंट बॉन्ड इंडेक्स-इमर्जिंग मार्केट (जीबीआई-ईएम) में भारतीय बॉन्ड शामिल होगा।

भारतीय बॉन्ड का भार जीबीआई-ईएम में 28 जून से शुरू होकर 31 मार्च, 2025 तक 10 महीने की अवधि में धीरे-धीरे बढ़कर 10 फीसदी हो जाएगा। इस फैसले से भारत के बॉन्ड बाजार में 2.50 लाख करोड़ रुपये तक का निवेश आने का अनुमान है। अभी 330 अरब डॉलर (27.36 लाख करोड़ रुपये) के 23 भारतीय सरकारी बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किए जाने के लिए पात्र हैं। भारत सरकार ने 2020 में फुली एक्सेसिबल रूट

(एफएआर) की शुरुआत की और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में सहायता के लिए बाजारों में पर्याप्त सुधार किया। जिससे जेपी मॉर्गन भारतीय बॉन्ड्स को इंडेक्स में शामिल करेगा।

विश्लेषकों के मुताबिक, इससे देश में बेस रेट में बदलाव होगा और ब्याज में भारी कमी आनी चाहिए। उधार की लागत बढ़ने से कोरोना काल से ही भारत में राजकोषीय घाटा बढ़ा हुआ है। अब इसमें कमी होनी चाहिए, क्योंकि उधारी की लागत का एक बड़ा हिस्सा इससे आएगा। यह बैंक, एनबीएफसी जैसी कंपनियों के लिए सकारात्मक है। उभरते बाजारों में भारत का बॉन्ड बाजार तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। इसका बाजार पूंजीकरण 1.2 लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा है। यह इंडोनेशिया के मुकाबले तीन गुना ज्यादा है। रूस के इस सूची से बाहर होने और चीन में संकट से दुनिया के डेट निवेशकों के लिए कम ही विकल्प रह गए हैं।

बढ़ेगा विदेशी मुद्रा भंडार

भारत के शामिल होने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ सकता है। साथ ही रुपये की स्थिरता में मदद मिलेगी। ब्याज दरों में कटौती और बॉन्ड ब्याज में कमी आएगी। कारोबारियों की तरह सरकार को भी पैसों की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सरकार कई बार किसी विशेष प्रोजेक्ट के लिए बॉन्ड जारी करती है। वह बॉन्ड के जरिये यह कर्ज लेती है। सरकार जो बॉन्ड जारी करती है, उसे सरकारी बॉन्ड कहते हैं। इनमें ब्याज थोड़ा कम मिलता है, लेकिन इसमें निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहता है।

एनपीएस उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी; अब एक दिन में ही मिलेगी सेटलमेंट की सुविधा, नया बदलाव 1 जुलाई से लागू

नई दिल्ली । पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के ग्राहकों के लिए निपटान प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। यह बदलाव 1 जुलाई से लागू होगा। यह नियामकीय परिवर्तन सेटलमेंट की अनुमति देगा। पीएफआरडीए का यह बदलाव सुनिश्चित करेगा कि ट्रस्टी बैंक सुबह 11 बजे तक प्राप्त एनपीएस योगदान उसी दिन इन्वेस्ट करें। इससे एनपीएस उपभोक्ताओं को उसी दिन एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) का लाभ मिलेगा। पहले, ट्रस्टी बैंक द्वारा प्राप्त योगदान अगले दिन (टी + 1) पर निवेश किए जाते थे। संशोधित दिशानिर्देश सुबह 11 बजे तक प्राप्त डी-रेमिट योगदान तक भी विस्तारित हैं, जिसे अब उसी दिन निवेश किया जाएगा। पीएफआरडीए प्वाइंट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी) ने नोडल कार्यालयों और ईएनपीएस के लिए एनपीएस ट्रस्ट को सलाह दी है कि वे ग्राहकों को तुरंत लाभ सुनिश्चित करने के लिए इन नई समय-सीमाओं का पालन करें।

ओलंपिक से पहले भारत को बड़ा झटका दावेदार डीपी मनु डोपिंग मामले में निलंबित

पंचकूला ।
मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। ओलंपिक क्वालिफिकेशन के दावेदार माने जा रहे भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सेवन के आरोप में अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि मनु का पॉजीटिव टेस्ट इस साल अप्रैल में इंडियन ग्रां प्री के दौरान लिया गया था। इससे पहले उन्हें नाडा के निर्देश पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतिस्पर्धाओं से परे रहने के लिये कहा था । एशियाई चैम्पियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी का विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक क्वालीफिकेशन लगभग निश्चित था। इस मामले के सामने आने के बाद हालांकि उनका पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होना लगभग तय है। वह यहां शुरू हुई राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप के लिए शुरुआती प्रवेश सूची में थे। लेकिन बाद में जारी की गयी सूची से उनका नाम हटा दिया गया। एएफआई अध्यक्ष आदिलेसुमरिवाला ने बताया कि नाडा ने महासंघ से मनु को प्रतियोगिताओं से रोकने के लिए कहा है लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की कि एथलीट ने डोपिंग अपराध किया है या नहीं। सुमरिवाला ने कहा, ''ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन हम अभी नहीं जानतेकि

वास्तविक कारण क्या है। कल एएफआई कार्यालय (नाडा से) को एक फोन आया था कि उसे (मनु को) प्रतियोगिताओं से रोक दिया जाए।'' उन्होंने कहा, '' इसके अलावा कोई विवरण (किस तरह के संभावित उल्लंघन पर) नहीं दिया गया है। मुझे लगता है कि एथलीट (डीपी मनु) खुद नाडा से पता लगा रहा है कि इसके पीछे क्या कारण है। मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।। उन्होंने एक जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। मनु विश्व एथलेटिक्स 'रोड टू पेरिस' सूची में 15वें स्थान पर थे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह पर थे ।

न्यूज ब्रीफ

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलते दिखेंगे युवराज सिंह और हरभजन सहित कई दिग्गज

नई दिल्ली । पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी। 'इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे। रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है : युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

ब्रिंदा और दीपा मलिक को 'यूके-इंडिया अवार्ड 2024' से सम्मानित किया गया

लंदन । भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और पैरालंपियन दीपा मलिक को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले भारतीयों के सम्मान के लिए आयोजित एक समारोह में विशेष पुरस्कार से नवाजा गया है। लंदन में आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ)' के वार्षिक 'यूके-इंडिया अवार्ड्स 2024' में सकारात्मक सामाजिक बदलाव के लिए अरुणाचलम मुरुगनाथम 'ग्लोबल इंडियन आइकॉन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उनके के साथ-साथ खेल के इन दिग्गजों को सम्मानित किया गया। मुरुगनाथम के जीवन पर 2018 में अक्षय कुमार की फिल्म 'पैडमैन' रिलीज हो चुकी है। इस मौके पर बिंद्रा ने उम्मीद जतायी की भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में अच्छा करेंगे। उन्होंने कहा, ''टोक्यो में हमने सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मुझे उम्मीद है कि पेरिस में हमारा प्रदर्शन उससे बेहतर होगा। उम्मीद है कि हम अपनी पहली महिला ओलंपिक चैम्पियन (स्वर्ण पदक विजेता) को देखेंगे।

ब्रैथवेट की कप्तानी में अगले माह टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी वेस्टइंडीज

सेंट जॉन्स । क्रैग ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज टीम अगले माह इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। क्रिकेट

वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने 10 जुलाई से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की रिचर्ड्स बॉथम सीरीज के लिए 15 सदस्यीय जो टी घोषित की है। उसमें चोटिल तेज गेंदबाज केमर रोच की जगह पर सेंट किट्स एंड नेविस के तेज गेंदबाज जेरेमिया लुइस को शामिल किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि टीम को रोच की कमी खलेगी पर अन्य खिलाड़ी इसके लिए पर्याप्त हैं। रिचर्ड्स बॉथम सीरीज सर विवियन रिचर्ड्स और इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर लॉर्ड इयान बॉथम के नाम पर रखी गयी है। इंडीज टीम 4 जुलाई से बेकेनहैम में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। 19 वर्षीय तेज गेंदबाज इसाई थॉर्न को भी टीम में जगह मिली है। टीम इस प्रकार है: क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़े, जोशुआ दा सिल्वा, जेसन होल्डर, केवम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, ज़ाचरी मैकास्की, किर्क मैकेंज़ी, गुडाकेश मोती, जेरेमिया लुइस, जेडेन सील्स, केविन सिंक्लेयर, और इसाई थॉर्न।

भारत ने बनाया विमेंस टेस्ट का सबसे बड़ा टीम स्कोर : दूसरे दिन 603 पर पारी घोषित की, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला जा रहा मैच

नई दिल्ली ।
भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेली जा रही एक मैच की टेस्ट सीरीज में भारत का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने विमेंस टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक इनिंग का सबसे बड़ा टोटल बना दिया है। मैच के दूसरे दिन टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 603 रन पर पारी घोषित की। इससे पहले, सबसे बड़े टीम स्कोर का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। उन्होंने इस साल 15 फरवरी को साउथ अफ्रीका के ही खिलाफ 9 विकेट खोकर 575 पर पारी घोषित की थी। भारत की इस पारी में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने सबसे तेज दोहरा शतक बनाया। वो 197 गेंदों में 205 रन बनाकर रन आउट हुईं। यह उनके करियर की पहली शतकीय पारी रही। वहीं, स्मृति मंधाना ने भी 149 रन की पारी खेली।

सहवाग की तरह ही शेफाली ने 194 पर पूरी की डबल सेंचुरी

भारतीय मेंस क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम से जानी जाने वाले शेफाली ने दोहरा शतक भी सहवाग के ही अंदाज में बनाया। शेफाली ने 194 रन पर 200 का आंकड़ा छू लिया था। रोचक बात यह है कि 2008 में जब सहवाग ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन बनाए थे तो उन्होंने भी इसी मैदान पर 194 बॉल में ही डबल सेंचुरी पूरी कर ली थी। हालांकि, शेफाली अगली तीन गेंदों पर 5 रन बनाकर रन आउट हो गईं।

मंधाना और शेफाली ने पहले विकेट लिए की सबसे बड़ी साझेदारी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 312 गेंदों में 292 रन की पार्टनरशिप की। यह साझेदारी टेस्ट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। उनसे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की किरन बलूच और साजिदा शाह के नाम था। उन्होंने 2004 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कराची में 241 रन की साझेदारी की थी। भारत के लिए यह किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही।

पहले दिन बना लिए थे 525 रन, हरमनप्रीत, ऋचा और जेमिमा ने भी बनाई फिफ्टी

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले दिन शेफाली 205, स्मृति मंधाना 149, जेमिमा रॉड्रिग्स 55 और शुभा सथीष 15 रन बनाकर आउट हो चुकी थीं। दिन का खेल खत्म होने तक ऋचा घोष 43 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 42 रन पर नाबाद क्रीज पर थीं। स्टंप्स तक टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 525 रन बना लिए थे।

दूसरे दिन की शुरुआत में पहला विकेट 112.4 ओवर में हरमनप्रीत (69) के रूप में गिरा। उसके बाद 115.1 ओवर में ऋचा घोष के 86 रन पर आउट होने के साथ ही भारत ने 6 विकेट पर 603 रन पर पारी घोषित कर दी।

भारत ने वनडे सीरीज में अफ्रीका को किया था क्लीन स्वीप

टेस्ट से पहले भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज हुई। भारत ने अफ्रीका को 3-0 से हराया। इस सीरीज में भी कई रिकॉर्ड्स बने। स्मृति मंधाना ने लगातार दो मुकाबलों में शतकीय पारी खेली। वहीं, दूसरे वनडे में पहली बार एक मुकाबले में 4 महिला खिलाड़ियों ने शतक बनाए।

5 जुलाई से शुरू होगी टी-20 सीरीज

साउथ अफ्रीका की टीम भारतीय दौरे पर है। इसमें तीन वनडे, एक टेस्ट और तीन टी-20 मुकाबले की सीरीज खेली जानी है। दोनों के बीच 5 जुलाई को शाम 7 बजे पहला टी-20 मैच खेला जाएगा। दूसरा मैच 7 जुलाई और तीसरा 9 जुलाई को खेला जाएगा।

रहाणे अब लीसेस्टरशर की ओर से खेलेंगे

लीसेस्टर ।
भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब इंग्लैंड में लीसेस्टरशर के लिए काउंटी चैम्पियनशिप और वन डे कप खेलते हुए नजर आयेंगे। रहाणे ने इस सत्र के दूसरे भाग के लिए लीसेस्टरशर के साथ करार किया है। क्लब के अनुसार रहाणे काउंटी चैम्पियनशिप के अंतिम पांच मैचों में खेलने के साथ ही वन डे कप में भी खेलेंगे। वह अगले माह जुलाई में टीम से जुड़ेंगे।

गौरतलब है कि लीसेस्टरशर की टीम वन डे कप की गत चैम्पियन है। रहाणे टीम में 36 वर्षीय खिलाड़ी वियान मुल्डर की जगह लेंगे। मुल्डर ने अपना नाम वापस ले लिया है। वह अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के साथ वेस्टइंडीज दौरे जा रहे हैं। रहाणे ने अब तक अपने करियर में सभी प्रारूपों (प्रथम श्रेणी, लिस्ट-ए और टी20) में 51 शतक की मदद से 26,000 से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 265 रन रहा है। उन्होंने भारतीय टीम के लिए सभी प्रारूप में 15 शतकों के साथ 8000 से अधिक रन बनाए हैं।

रहाणे ने करार पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं लीसेस्टरशर की टीम से जुड़कर काफी उत्साहित हूं और इस सत्र में टीम से जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं। मैंने पिछले साल टीम के परिणामों को देखा और उससे काफी प्रभावित हुआ। मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी क्रिकेट का आनंद लूंगा और इस सत्र में क्लब की अधिक सफलता में योगदान दूंगा। रहाणे जुलाई के मध्य में टीम से जुड़ेंगे। वहीं लीसेस्टरशर के क्रिकेट निदेशक क्लाउड हेंडरसन ने कहा, 'हम लीसेस्टरशर में रहाणे जैसे शानदार खिलाड़ी का स्वागत करने के उत्सुक हैं। उनके पास अपार अनुभव है जिससे हमारी टीम को लाभ होगा।

आने वाले समय में पारी की शुरुआत करेंगे फ्रेजर : वार्नर

सिडनी ।
ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले दिनों में टीम की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। फ्रेजर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया था। टी20 विश्वकप में उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया था हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के टी20 विश्वकप से बाहर होते ही वार्नर का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया था। वार्नर ने कहा कि टी20 और एकदिवसीय में आने वाले समय में फ्रेजर ही सलामी बल्लेबाज होंगे वार्नर ने कहा कि 50 ओवर क्रिकेट कैसे खेलना है। यह एक चीज है जो मैंने ट्वेंटी 20 से सीखी है। मुझे सात मैचों के बाद बाहर कर दिया गया क्योंकि मैं वास्तव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। फिर मैंने समझा कि एकदिवसीय क्रिकेट कैसे खेलना है और टी20 क्रिकेट कैसे खेलना है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अभी स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, ऐसे में फ्रेजर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आया है। इस साल की शुरूआत में इस युवा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान 2 मैचों में 23 गेंदों पर 51 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने मार्श कप में मात्र 29 गेंदों में शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और सबका ध्यान खींचा था। इसके अलावा आईपीएल में भी 36.66 की औसत और 234.04 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक शामिल थे।

सुमित नागल को विंबलडन में मिला कड़ा ड्रॉ पहले दौर में इस खिलाड़ी से होगा सामना

लंदन ।
नागल अगर पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर के बीच होने वाले मैच के विजेता से टक्कर हो सकती है।

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है।

नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में हरा चुके हैं। नागल अगर पहले दौर की बाधा पार कर लेते हैं तो स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा और नीदरलैंड के टालोन ग्रीक्सपूर के बीच होने वाले मैच के विजेता से टक्कर हो सकती है। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके नागल 2018 में पुरुष सिंगल्स के पहले दौर के क्वालिफायर में पोलैंड के कामिल एम से हार गए थे।

नागल ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करके पहले दौर में 31वीं वरीयता प्राप्त कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक को मात दी थी। उन्होंने चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीतकर रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाई।

पुरुष डबल्स में भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन का सामना फ्रांस के एड्रियन मानारिनो और जियोवान्नि एम पेरिकार्ड से होगा। बोपन्ना और एबडेन पिछले साल विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

बाइचुंग भूटिया ने शुरुआती एकादश में रोनाल्डो की जगह पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।
पुर्तगाल उन तीन टीमों में से एक है, जिन्होंने ग्रुप मुकाबलों के दूसरे दौर में नॉकआउट के लिए क्वालिफिकेशन हासिल किया है। टूर्नामेंट के 2016 विजेता ने अपने पहले दो मैचों में चेक गणराज्य और तुर्की के खिलाफ जीत हासिल की लेकिन अंतिम ग्रुप मैच में जॉर्जिया के खिलाफ हार गए।

जैसा कि एक दशक से अधिक समय से होता आ रहा है, सुर्खियों का केंद्र 39 वर्षीय स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं जो टूर्नामेंट के इस संस्करण में अपना पहला गोल दर्ज करने की उम्मीद कर रहे होंगे। स्ट्राइकर अब तक अपने पैर जमाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

भारत के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने सवाल किया है कि क्या उम्रदराज़ रोनाल्डो को अभी भी पुर्तगाल टीम के लिए शुरुआत करनी चाहिए, जिन्हें उन्होंने टूर्नामेंट का डार्क हॉर्स करार दिया है।

मुझे लगता है कि पुर्तगाल इस टूर्नामेंट में छिपे हुए रुस्तम में से एक है, लेकिन मुझे लगता है कि उनके लिए सबसे बड़ी समस्या यह होगी कि हम दूसरे हाफ में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जगह कैसे

ले सकते हैं या क्या हम उन्हें शुरू से ही बेंच पर रख सकते हैं, यह एक बड़ी बात होगी। क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो हमारी पीढ़ी के लिए एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं, वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन हमें यह स्वीकार करना होगा कि उम्र के साथ आप गति और सजगता खो देते हैं।

39 साल की उम्र में, वह अभी भी यूरो कप में खेल रहे हैं। पुर्तगाली टीम के लिए शुरुआत करना एक बड़ी उपलब्धि है। और यह खेल के प्रति उनकी गुणवत्ता, समर्पण और अनुशासन को दर्शाता है। लेकिन यूरो को देखते हुए, हम सभी इसे उम्र के साथ देख सकते हैं। भूटिया ने कहा, हमें यह स्वीकार करना होगा कि उसने अपनी गति खो दी है और उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी गति थी और एक बार जब आप स्ट्राइकिंग पोजीशन में गति खो देते हैं, तो यह काफी बड़ी चुनौती बन जाती है।

रोनाल्डो ने टूर्नामेंट में अब तक जो एकमात्र गोल योगदान दर्ज किया है, वह ब्रूनो फर्नांडीस को उनकी सहायता थी, जिसे कई लोगों का मानना था कि इस समय उनके आत्मविश्वास में कमी का संकेत था क्योंकि उन्होंने बहुत अच्छी स्थिति से शूटिंग करने के बजाय गेंद को स्क्वायर कर दिया था।

इस सहायता के परिणामस्वरूप रोनाल्डो यूरो इतिहास में सर्वोच्च गोल स्कोरर और सर्वोच्च सहायता प्रदाता बन गए।

पुर्तगाल और क्रिस्टियानो के लिए यह आसान नहीं होने वाला है क्योंकि आपको और भी अधिक संगठित, तेज, मजबूत, अनुभवी रक्षक मिलने वाले हैं। तो, क्या प्रबंधन में उसे स्थानापन्न करने या शुरू से ही बाहर करने का साहस हो सकता है प्रबंधन के लिए यह एक बड़ा जुआ और बड़ा निर्णय होगा यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो यह वास्तव में पुर्तगाल की मदद नहीं कर सकता है।

पूर्व स्ट्राइकर ने कहा, मुझे उसके शुरुआत करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर चीजें अच्छी नहीं चल रही हैं, वह स्कोर नहीं कर रहा है और वह संघर्ष नहीं कर रहा है, तो मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि आपको उसे स्थानापन्न करना होगा क्योंकि पुर्तगाल के बेंच पर अच्छे खिलाड़ी हैं ।

हड्डियां व दांत बनाए मजबूत

दूध में भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक होता है। सिर्फ बढ़ते बच्चों के लिए ही कैल्शियम जरूरी नहीं होता, बल्कि वयस्कों को भी अपनी हड्डियां मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। इससे वे ऑस्टियोपोरोसिस से बचे रहते हैं। दूध दांतों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह दांतों की सड़न और कैविटी से बचाए रखने में मदद करता है।

डेस्क जॉब करने वाले जरुर करें ये काम

डेस्क जॉब करने वालों को कई सारी बीमारियां एक साथ लगती हैं। अगर आप घंटो अपनी कुर्सी से चिपके रहेंगे तो आपको दिल की बीमारी, मोटापा, पीठ दर्द, स्लिप डिस्क या अन्य बीमारी होने का खतरा हो सकता है। अगर आप अपने दिन का 8-9 घंटा ऑफिस में ही काटते हैं तो आप ऑफिस में ही कुछ कुछ देर पर उठ कर टहल लें या सीट पर बैठ कर ही स्ट्रेचिंग कर लें तो भी आपको काफी लाभ मिलेगा।

रोज खाना चाहिए केला?

जब आपको टाइप-2 डायबिटीज होता है तो आपका शरीर उचित मात्रा में इन्सुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता जिसके कारण रक्त में से ग्लूकोज खींच लिया जाता है ताकि कोशिकाओं में उसे एकत्रित करके रखा जा सके। इसके परिणामस्वरूप आपके शरीर में शुगर (शर्करा) का स्तर बढ़ता या घटता रहता है। इसका अर्थ यह है कि आपके शरीर में शुगर के स्तर को नियमित करने में आहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक ग्लाइसिमिक युक्त आहार लेने से शुगर का स्तर एकदम बढ़ जाता है तथा शुगर के तुरंत बर्न होने के बाद अचानक कम हो जाता है।

केले में क्या होता है?

केला फाइबर का समृद्ध स्त्रोत होने के अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन बी6 और पौटेशियम भी मौजूद रहता है जिसके कारण इसे आहार में शामिल करना अच्छा माना जाता है। जहां बी6 आपके मूड को अच्छा रखता है वहीं विटामिन सी आपके प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाता है, पौटेशियम आपके ब्लडप्रेशर को नियमित रखता है तथा फाइबर के कारण आपको पेट काफी समय तक भरा हुआ महसूस होता है। एक अध्ययन से यह भी पता चला है कि केले में उपस्थित स्टार्च (24 ग्राम प्रतिदिन) इन्सुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ने में सहायक होता है तथा टाइप-2 डायबिटीज में वजन कम करने में सहायक होता है। डायबिटीज के रोगियों को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि केले में कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं तथा आपके आहार में इसे शामिल करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।

डायबिटीज रोगी खा सकते हैं केले

अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन ने डायबिटिक लोगों को (डायबिटीज के मरीजों को) केला खाने के लिए प्रोत्साहित करता है। उनके अनुसार केला एक स्वस्थ आहार है जिसका सेवन करना पूर्णतया उचित है। वास्तव में एक अध्ययन से पता चला है कि यदि आप टाइप-2 के डायबिटीज को दूर करना चाहते हैं तो केला सबसे उत्तम फल है।

कच्चे केले या पके हुए केले

जैसे जैसे केला पकता है उसमें उपस्थित स्टार्च, शुगर (शर्करा) में बदलने लगता है। जब आप पूर्ण रूप से पका हुआ केला खाते हैं तो आप ऐसे फल का सेवन करते हैं जिसमें लगभग 90 प्रतिशत स्टार्च होता है। यही कारण है कि शोधकर्ता कहते हैं कि कच्चा केला कम ग्लायसिमिक प्रतिक्रिया देता है। अतः पके हुए केले की तुलना में कच्चा केला अधिक श्रेष्ठ है।

प्रतिदिन कितने केले खाएं?

आप प्रतिदिन एक केले का सेवन कर सकते हैं। आपको अपने आहार की मात्रा पर ध्यान देना आवश्यक है। जब केले की बात आती है तो अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन आपको यह बताना चाहता है कि कितनी मात्रा का सेवन किया जा सकता है। उनके अनुमानों के अनुसार केले के आकार के अनुसार उसके कार्बोहाइड्रेट घटक में परिवर्तन होता है। उदाहरण के लिए एक बहुत छोटे केले (लगभग 6 इंच या उससे कम) में केवल 18.5 ग्राम कार्ब्स होता है। दूसरी ओर मध्यम आकार के (लगभग 7 से 7 7/8 इंच) केले में 27 ग्राम कार्ब्स होता है। 9 इंच या उससे अधिक ब? केले में 35 ग्राम से अधिक कार्ब्स होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति की ग्लूकोज के प्रति प्रतिक्रियाएं अलग अलग हो सकती हैं, अतः आपके शरीर के लिए क्या सही है यह जानने के लिए आपको अपने विवेक का उपयोग करना होगा। अपने आहार की मात्रा में फल सब्जियों और केले के बीच संतुलन बनाएं। क्योंकि आहार के मामले में संयम रखना बहुत आवश्यक है और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खाना बहुत अच्छी बात है। तो यदि आप अपने आहार में सेब, अंगूर, ब्लूबेरीज को शामिल कर सकते हैं तो आप अपने शरीर में शुगर के स्तर को आसानी से संतुलित रख सकते हैं।

इसके अलावा शरीर में शुगर के स्तर एक जैसा रखने के लिए फल तथा कार्ब्स का सेवन दिन में थोड़े-थोड़े अंतराल पर करें। सही तरीके से अपनी योजना बनाएं तथा दिन में एक केले के सेवन का आनंद उठायें। इस प्रकार डायबिटीज के रोगी केला खाने से होने वाली समस्याओं से बच सकते हैं।

जिम के बाद पावरफुल बनाएंगी ये सुपर ड्रिंक्स

घर पर बने पेय पदार्थ, हेल्दी और सस्ते होते हैं जबकि मार्केट में पैकेट में बिकने वाले पेय पदार्थ में प्रीर्जवेटिव मिला होता है और इनमें सुगर की मात्रा भी बहुत अधिक होती है। ऐसे में अगर इनका सेवन जिम के तुरंत बाद किया जाए तो लाभ की बजाय नुकसान ही करेंगे और आपके द्वारा जितनी कैलोरी वहां कम की गई है उतनी कैलोरी आप आते ही ग्रहण कर लेंगे।

साथ ही इनमें सिंथेटिक एडीटिव्स, कलर्स और असामान्य फ्लेवर पड़े हुए होते हैं जो नुकसान करते हैं। इसलिए, अपने दिन की शुरूआत नीचे बताए जाने वाले पेय पदार्थों का सेवन करके करें।

इन पेय पदार्थों को सुबह ट्राई करें और जिम से आने के बाद खासतौर पर पिएं। इसस आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और फैट भी नहीं बढ़ेगा। फलों के रस से बनने वाले ये पेय पदार्थ आपको तंदुरूस्त बनाने में मददगार साबित होंगे। आइए जानते हैं इन चार सुपर ड्रिंक्स के बारे में

चॉकलेट ड्रिंक

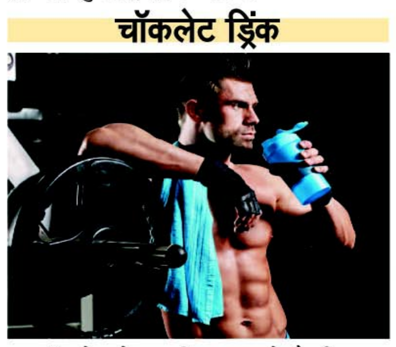

चॉकलेट में प्राकृतिक रूप से कैफीन पड़ा हुआ होता है, इसीलिए इससे आने वाली महक आपको इसे पीने के लिए मजबूर कर देती है। इस ड्रिंक में सुगर मिलाने की जरूरत नहीं होती है इसमें फलों की सुगर ही बनी रहती है। इसकी ठंडक भरी महक आपको तरोताजा कर देगी।

व्हीटग्रास और बनाना ड्रिंक

व्हीटग्रास को कई सालों से स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक माना जाता है क्योंकि इससे शरीर को बहुत ऊर्जा मिलती है। अगर इसे पके हुए केले के साथ फेंट लें और तब पिएं तो यह ज्यादा लाभ देगा। गुणों से भरा गेहूं के जवारे का पाउडर

गाजर और संतरे का ड्रिंक

अगर आप अपनी सुबह ऊर्जावान बनाना चाहते हैं तो गाजर और संतरे का जूस निकाल कर पिएं। इस पेय पदार्थ में विटामिन सी, ई की भरमार होगी। इससे आपको पूरे दिन शक्ति महसूस होगी। साथ ही आपको थकान भी नहीं होगी।

मेपल सिरप पिएं

मेपल सिरप पीने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और आपके शरीर में सुगर की मात्रा भी नहीं बढ़ती है। इस पेय पदार्थ में सोडियम भी होता है

और अगर आपका रक्तचाप ज्यादा रहता है तो इसे न पिएं।

ये पेय पदार्थ न सिर्फ आपके शरीर को ताकत देते हैं बल्कि डिटॉक्सीफिकेशन की प्रक्रिया में भी सहायक होते हैं। अगर आपको इन ड्रिंक्स का स्वाद थोड़ा कम अच्छा लगे तो इसमें अदरक को भी मिलाया जा सकता है। इन्हें पीकर आप सारा एनर्जीफुल फील कर सकते हैं और अच्छे से काम कर सकते हैं। बस इन ड्रिंक्स को एक कप पीने मात्र से शरीर में ऊर्जा का संचार हो जाता है।

त्वचा पर स्ट्रॉबेरी और दही लगाने के फायदे

स्ट्रॉबेरी स्वास्थ्य के लिए लाभदायक फल है तथा दही एक प्राकृतिक घटक है जो स्वास्थ्य पर आश्चर्यजनक परिणाम दर्शाता है। क्या आप जानते हैं कि स्ट्रॉबेरी तथा दही दोनों में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो आपकी त्वचा की रंगत को प्राकृतिक तरीके से निखारते हैं? जब इन दोनों घटकों को आपस में मिलाया जाता है तो त्वचा को मिलने वाले फायदे भी दोगुने हो जाते हैं। आपको सिर्फ इतना करना है कि कुछ ताजा कटी हुई स्ट्रॉबेरीज लें तथा इन्हें ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट बनाएं। अब स्ट्रॉबेरी के इस पेस्ट में 2 टेबलस्पून दही मिलाएं। दोनों को अच्छे से मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। स्ट्रॉबेरी और दही के इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं। इसे 20 मिनिट लगा रहने दें तथा बाद में फेस वॉश से चेहरा धो डालें। स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण से बने फेस पैक से होने वाले अन्य लाभों के बारे में जानें।

एंटी ऐजिंग प्रभाव: स्ट्रॉबेरी और दही के मिश्रण में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो आपकी त्वचा की कोशिकाओं को पोषण प्रदान करता है तथा कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाता है जिससे झुर्रियां तथा फाइन लाइंस दूर होती है।

मधुमेह में फायदेमंद है अमरूद का सेवन

मधुमेह ऐसी बीमारी है जो एक बार होने पर जीवनभर साथ निभाती है। मधुमेह पर नियंत्रण के लिए खानपान पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। मधुमेह रोगियों को ऐसे आहार का सेवन करना चाहिए जिससे उनका ब्लड ग्लूकोज का स्तर न बढ़े।

मधुमेह रोगियों को अमरूद खाने की सलाह दी जाती है। अमरूद में प्रोटीन 10.5 प्रतिशत, वसा 0.2 कैल्शियम 1.01 प्रतिशत बी 0.2 प्रतिशत पाया जाता है। ये फल मीठा होते हुए भी मधुमेह को नियंत्रित रखता है। मधुमेह के रोगियों को इस फल का सेवन करना चाहिए। इसके बारे में हम आपको विस्तार से बता रहे हैं।

कैसे करें अमरूद का सेवन

हर सीजन में मिलने वाला अमरूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है। खासकर मधुमेह के रोगियों के लिए यह वरदान की तरह है। इसको कई तरह से खाया जा सकता है। डायबिटीज के रोगी के लिए एक पके हुए अमरूद को आग में डालकर उसे भूनकर निकाल लें और भुने हुई अमरुद को छीलकर साफ करके उसे अच्छे से मैश करके उसका भरता बना लें, उसमें स्वादानुसार नमक, कालीमिर्च, जीरा मिलाकर खाएं, इससे डायबिटीज में काफी लाभ होता है।

ताजे अमरूद के 100 ग्राम बीजरहित टुकड़े लेकर उसे ठंडे पानी में 4 घंटे भीगने दीजिए। इसके बाद अमरूद के टुकड़े निकालकर फेंक दें। इस पानी को मधुमेह के रोगी को पिलाने से लाभ होता है।अमरूद तो फायदेमंद होता ही हैं लेकिन इसका जूस भी गुणकारी होता हैं। घर पर बनाए गए जूस में स्वाद और गुण दोनों ही बरकरार रहते हैं । जूस में मिनरल्स और न्यूट्रीएंट्स की मात्रा अधिक होती हैं ।

अमरूद पोषक तत्वों की खान है, लेकिन एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन में दो अमरूद से ज्यादा खाने से बचना चाहिए। पचने में दिक्कत होने के कारण अगर हो सके तो इसके बीज निकाल कर खाएं। इससे पेट दर्द की आशंका नहीं रहती।

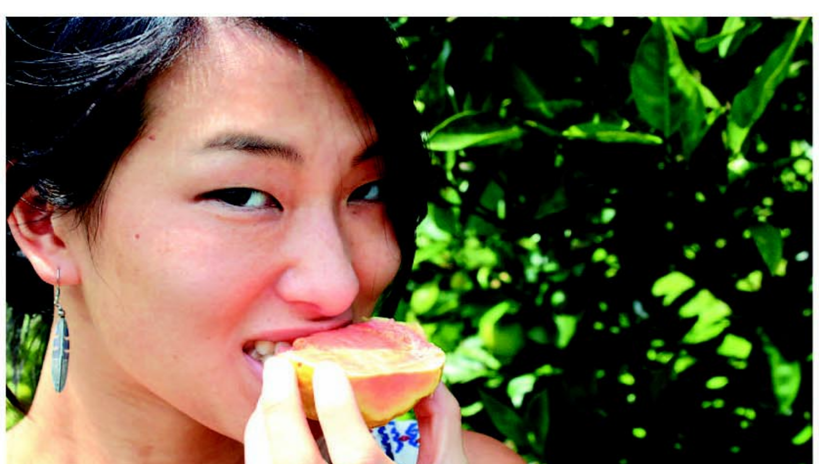

मधुमेह को नियंत्रित करता है अमरूद

अमरूद में विटामिन ए और विटामिन सी के अलावा फाइबर भी होता है। अमरूद पत्ती से बनी चाय में एल्फा-ग्लूकोसाइडिस एंजाइम गतिविधि को कम कर मधुमेह रोगियों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है। इसके अलावा यह सुक्रोज और माल्टोज को सोखने से शरीर को रोकती है जिससे शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है। अमरूद की पत्ती से बनी चाय 12 सप्ताह पीने से इंसुलिन के उत्पादन में वृद्धि के बिना रक्त में शर्करा के स्तर को कम कर सकते हैं। फाइबर से धनी अमरूद शरीर में मीठे की खपत को धीमा करता है। नियमित सेवन टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को कम करने में मदद करता है। अमरूद का प्रभाव अग्नाशय पर भी अच्छा असर डालता है जिस कारण मधुमेह के रोगियों के लिए पके अमरूद का नियमित सेवन बहुत ही लाभदायक सिद्ध होता है।

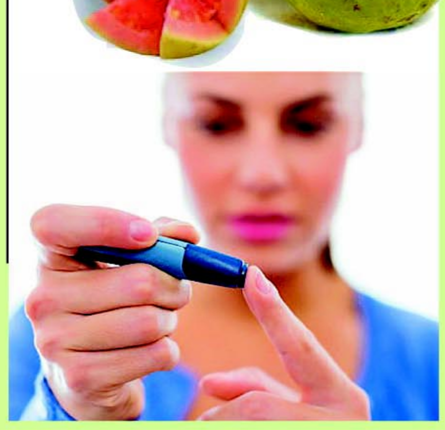

चॉकलेट देती है तनाव और थकान से तुरंत राहत

जो लोग मुंह मीठा करने के लिए चॉकलेट खाते हैं, उन्हें यह जान कर हैरत होगी कि चॉकलेट का प्रारंभिक नाम बिटर वॉटर यानी कड़वा पानी रखा गया था। दक्षिण अमेरिका में थियोब्रोमा कोकोआ पेड़ से चॉकलेट उत्पादन किया जाता था। चॉकलेट का प्रारंभिक उल्लेख 1100 बीसी में देखने को मिलता है।

उस वक्त चॉकलेट एजटेक्ट बेवरेज को शाही बनाने के लिए चॉकलेट का इस्तेमाल प्रमुख रूप से किया जाता है। कोकोआ पेड़ का बीज मूलतः कड़वा होता है, जिसमें खमीर उठाया जाता है, सुखाया जाता है और फिर उसे भूना जाता है। कोकोआ पाने के लिए उसकी परत को हटाया जाता है। इस प्रक्रिया तक चॉकलेट कच्चे माल के रूप में होती है।

जिसे आज हम चॉकलेट कहते हैं, वह मीठी होती है, जिसमें कोकोआ सॉलिड, बटर और अन्य वसा व चीनी मिलाई जाती है। चॉकलेट का इस्तेमाल कई तरह के पेय पदार्थ बनाने में भी किया जाता है। खासतौर पर बेवरेजेस में, जिसमें मेक्सिको शराब भी शामिल है। फल व मेवा के साथ मिलाकर चॉकलेट को सीधे ही खाया भी जाता है। केक और डेजर्ट में भी इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। जहां चॉकलेट की शुरुआत हुई, उस सेंटर अमेरिका में चॉकलेट का इस्तेमाल चिकन और मीट में भी किया जाता है।

रेसिपी

ब्लॅक बीन डिप

सामग्री

1/2 कप ब्लॅक बीन्स , रातभर भिगोए और छाने हुए, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून नींबू का रस, 1 टेबल-स्पून सूखी लाल मिर्च के फ्लैक्स, 1 टी-स्पून सूखे मिले-जुले हर्बस, नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए:** नाचो चिप्स

विधि

ब्लॅक बीन्स, नमक और 21/2 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में अच्छी तरह मिला लें और 5 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। अच्छी तरह छानकर, ब्लॅक बीन्स् को एक गहरे बाउल मे निकाल लें। बची हुई सभी सामग्री डालकर, आलू मैशर का प्रयोग कर दरदरे मिश्रण में मसल लें। कम से कम 1 घंटे के लिए फ्रिज मे रखकर, चिप्स् के साथ ठंडा परोसें।

चीज़ी नूडल कटलेट

सामग्री

1/2 कप कसा हुआ प्रोसेस्ड चीज, 1 कप उबले हुए नूडल्स, 1/2 कप उबले और क्रश किए हुए मीठी मकई के दानें, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरी प्याज का सफेद भाग, 1/4 कप बारीक कटे हुए हरी प्याज़ के पत्ते, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक और ताज़ी पिसी काली मिर्च , स्वादअनुसार, **रोल करने के लिए:** ब्रेड क्रम्बस, **तलने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के 75 मिमी (3) आकार के चपटे, गोल कटलेट बना लें। प्रत्येक कटलेट को ब्रेड क्रम्बस् में अच्छी तरह से सभी तरफ से लपेट लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और थोड़े-थोड़े कटलेट डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें। टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**